संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-23 अंक- 32
पृष्ठ 8
शनिवार
17 अक्टूबर 2026
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

# शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- अब नहीं टूटेगी कांच....
विचार- पहला राउंड तो राहुल के नाम रहा
खेल- हरमनप्रीत कौर का अनुभव...

## सत्ता का मार्ग जनादेश से निकलता है, अराजकता से नहीं– सीएम योगी

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बांग्लादेश की तर्ज पर भारत में सत्ता परिवर्तन का सपना देखने वाली शक्तियों पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सत्ता का रास्ता जनादेश से निकलता है, अराजकता से नहीं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि चुनाव सुधार और न्याय के नारों की आड़ में देश में अस्थिरता फैलाने की कोशिश की जा रही है। सीएम योगी ने कहा कि देश की युवाशक्ति भारत का भविष्य संवारने के लिए है, किसी की सत्ता की भूख मिटाने के लिए नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि युवाओं को राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनाने के बजाय उनके हाथों में अराजकता के औजार थमाने की कोशिश हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा

कि भारत का लोकतंत्र जनविश्वास की जड़ों पर खड़ा विशाल वटवृक्ष है। उन्होंने दावा किया कि राजनीतिक षड्यंत्रों के दबाव से लोकतंत्र की बुनियाद कमजोर नहीं की जा सकती। मुख्यमंत्री ने अपने बयान में विपक्षी राजनीतिक शक्तियों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राजनीति के मारीचों और कालनेमियों को जनता पहचान चुकी है और उन्हें सत्ता से दूर रखा है। योगी ने आरोप लगाया कि देश को अराजकता की आग में झोंककर सत्ता हासिल करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि भारत ऐसी राजनीतिक साजिशों को सफल नहीं होने देगा। सीएम योगी ने चुनाव सुधार और न्याय के नारों के पीछे अस्थिरता फैलाने की कोशिश होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक

**● मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि चुनाव सुधार और न्याय के नारों की आड़ में देश में अस्थिरता फैलाने की कोशिश**

व्यवस्था में सत्ता हासिल करने का आधार जनता का जनादेश होना चाहिए, न कि अराजक गतिविधियां। मुख्यमंत्री के बयान में बांग्लादेश की राजनीतिक घटनाओं के संदर्भ में भारत में सत्ता परिवर्तन की कथित कोशिशों को लेकर चिंता जताई गई। हालांकि, उन्होंने अपने बयान में इन आरोपों के समर्थन में किसी संगठन या व्यक्ति का नाम अथवा कोई विशिष्ट घटना का विवरण नहीं दिया।

## कांग्रेस हिंसा के जरिए सत्ता परिवर्तन का मॉडल अपनाना चाहती है : राजनाथ

लखनऊ,संवाददाता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि पार्टी मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी ) ज्ञानेश कुमार और विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर किए जा रहे विरोध–प्रदर्शन के जरिए देश में अस्थिरता पैदा करना चाहती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का विरोध केवल चुनाव आयोग या मतदाता सूची के पुनरीक्षण के खिलाफ नहीं है, बल्कि उसका उद्देश्य लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर कर सरकार को सत्ता से हटाना है। लखनऊ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राजनाथ सिंह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ष्सत्ता परिवर्तन के लिए हिंसा का सहारा लेने वाल ष्बांग्लादेश मॉडलष् अपनाना चाहती है। कांग्रेस का आंदोलन

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार या एसआईआर के खिलाफ नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश है। रक्षा मंत्री ने कांग्रेस पर सत्ता में रहते हुए चुनाव आयोग को अपने प्रभाव में रखने का आरोप भी लगाया। उन्होंने वर्ष 1993 का हवाला देते हुए कहा कि उस समय कांग्रेस ने चुनाव आयोग में रातोंरात बदलाव किए थे। तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त ने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर तत्कालीन चुनाव आयुक्त नवीन चावला को हटाने की सिफारिश की थी। इसके बावजूद बाद में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में चावला को मुख्य चुनाव आयुक्त के पद तक पहुंचाया गया। राजनाथ सिंह ने कहा कि वर्ष 1993 से पहले मतदाताओं की पहचान के लिए मतदाता पहचान पत्र की व्यवस्था नहीं थी। उनके मुताबिक, मतदाता पहचान पत्र लागू होने के बाद कांग्रेस अपने दम पर केंद्र में सरकार बनाने में सफल नहीं रही। उन्होंने इन उदाहरणों के जरिए कांग्रेस पर चुनावी संस्थाओं के साथ राजनीतिक हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया और कहा कि आज वही पार्टी चुनाव आयोग की स्वतंत्रता पर सवाल उठा रही है। रक्षा मंत्री ने कहा कि कांग्रेस का मौजूदा विरोध विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिखाई दे रहा है, लेकिन इसके पीछे व्यापक राजनीतिक उद्देश्य है।

## विदेशी नौकरी का लालच देकर 22 लाख की ठगी, साइबर विंग ने गुरुग्राम से दबोचा आरोपी

रायपुर,एजेंसी। राजस्थान पुलिस ने विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर साइबर ठगी करने के मामले में एक आरोपी को हरियाणा के गुरुग्राम से गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के बरेली निवासी वसीम हुसैन के रूप में हुई है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (साइबर अपराध) विजय कुमार सिंह ने बताया कि जयपुर निवासी एक व्यक्ति से तीन मई 2024 को फेसबुक पर 'डायोन मार्ले' नामक महिला ने दोस्ती की थी। उन्होंने बताया कि उस महिला ने खुद को अमेरिका का निवासी और इंग्लैंड की एक दवा कंपनी में लेखाकार बताते हुए परिवादी के बेटे को विदेश में नौकरी दिलाने तथा खुद भारत आने का झांसा दिया। अधिकारी ने बताया कि इसके बाद हवाई अड्डे, सीमा शुल्क, धनशोधन प्रमाणपत्र और आयकर जैसे शुल्कों के नाम पर विभिन्न बैंक खातों में कुल 22 लाख रुपये जमा करवा लिए गए। सिंह ने बताया कि गिरोह के सदस्यों ने सीमा शुल्क और अन्य विभागों के अधिकारी बनकर फोन पर बात की तथा व्हाट्सऐप पर कूटरचित रसीदें व दस्तावेज भेजे। उन्होंने बताया कि रकम देने से इनकार करने पर परिवादी को जान से मारने की धमकी देकर उससे और रुपये जमा करवाए गए। अधिकारी ने बताया कि गिरोह सोशल मीडिया के माध्यम से बुजुर्गों और अकेले रहने वाले लोगों को निशाना बनाता था तथा ठगी की रकम के लेनदेन के लिए 'म्यूल' बैंक खातों का इस्तेमाल किया जाता था।

## अरविंद केजरीवाल ने पंजाब में नशे की समस्या पर भाजपा और अमित शाह को घेरा

नई दिल्ली,एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को पंजाब में नशे के खतरे और बढ़ते संगठित अपराध से संबंधित गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी का जवाब देते हुए राज्य में इस समस्या के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा ने 2007 से 2017 के बीच पंजाब में नशा फैलाने के लिए चिट्टा पार्टी के साथ सांठगांठ की थी। उन्होंने पूछा, ''क्या अब आप (भाजपा) उसी पार्टी के साथ मिलकर पंजाब में नशा बेचकर फिर से अरबों रुपए कमाने के सपने देख रहे हो?

## संसद में विधेयक थोपने की कोशिश न करें

### परिसीमन पर पीएम मोदी को मल्लिकार्जुन खरगे की चेतावनी

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से परिसीमन के नए प्रस्तावों पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि संसद में व्यापक प्रभाव वाले संविधान संशोधन विधेयक किए जाने के 64 दिन बाद भी लोकसभा और राज्यसभा का सत्रावसान नहीं हुआ है। खरगे ने इस स्थिति को अभूतपूर्व बताया। उनका कहना है कि परिसीमन जैसे महत्वपूर्ण विषय पर सरकार को सभी राजनीतिक दलों को चर्चा का पर्याप्त मौका देना चाहिए। खरगे ने प्रधानमंत्री परिसीमन से जुड़ा संविधान संशोधन विधेयक जरूरी दो–तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर सका। खरगे के मुताबिक, उन्होंने 16 जुलाई और 27 अगस्त को भी प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग दोहराई थी। अब उन्होंने चौथी बार यह मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दलों को आपस में विचार–विमर्श करने, दूसरे दलों के साथ चर्चा करने और संबंधित पक्षों की राय जानने के लिए पर्याप्त

को पहले की तरह जबरन पारित कराने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। खरगे ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर कहा कि नए प्रस्तावों को संसद में विचार के लिए अंतिम रूप देने से पहले सभी राजनीतिक दलों के साथ विस्तार से चर्चा की जाए। खरगे ने संसद के मानसून सत्र के सत्रावसान में हो रही देरी पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि 13 अगस्त को मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित को याद दिलाया कि उन्होंने 11 अप्रैल को ही परिसीमन से जुड़े किसी भी संविधान संशोधन विधेयक को लाने से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया था।

उनके मुताबिक, सरकार ने ऐसा नहीं किया। इसके बजाय 14 अप्रैल की देर शाम विधेयक सार्वजनिक किए गए और 16 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र बुलाया गया। खरगे ने कहा कि 17 अप्रैल को लोकसभा में समय मिलना चाहिए। परिसीमन के नए प्रस्तावों पर चर्चा के लिए प्रधानमंत्री सर्वदलीय बैठक बुलाएं। प्रस्तावों को संसद में विचार के लिए अंतिम रूप देने से पहले सभी दलों से विस्तार से चर्चा हो। राजनीतिक दलों को आपस में और अन्य संबंधित पक्षों के साथ विचार–विमर्श के लिए पर्याप्त समय मिले। सरकार संविधान संशोधन विधेयक को संसद में जबरन पारित कराने की कोशिश न करे।

## गरीबों को मिले 15000 रुपये तक मासिक मदद, शुभेंदु अधिकारी ने की मांग

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि यह सुनिश्चित करना 'हमारी' जिम्मेदारी है कि आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद परिवारों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से हर माह 12,000 से 15,000 रुपये की आर्थिक सहायता मिले।

पूर्वी मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम में दुर्गा पूजा पंडालों के उद्घाटन के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार को उन परिवारों की जिम्मेदारी लेनी ही चाहिए जिन्हें वास्तव में आर्थिक मदद की जरूरत है।

शुभेंदु अधिकारी का नंदीग्राम से लंबे समय से राजनीतिक जुड़ाव रहा है। उन्होंने कहा, '' हमें उन परिवारों की जिम्मेदारी लेनी होगी जो वास्तव में आर्थिक रूप से कमजोर हैं और जिन्हें मदद की जरूरत है। हमें विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से उनके लिए हर महीने 12,000 से 15,000 रुपये की व्यवस्था करनी होगी।''

## दिल्ली पुलिस ने सीजेपी संयोजक अभिजीत दिपके को हिरासत में लिया, सीपी मार्च रोका

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के 'लहरा दो तिरंगा' विरोध प्रदर्शन के दौरान, दिल्ली पुलिस ने पार्टी के संयोजक अभिजीत दिपके को एहतियातन हिरासत में ले लिया है। कनॉट प्लेस में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रस्तावित 'लहरा दो तिरंगा' विरोध प्रदर्शन से पहले, मध्य दिल्ली में सुरक्षा बढ़ा दी गई

है। इस बीच, शुक्रवार को दिल्ली पुलिस ने एक संदेश जारी कर लोगों से राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करने और इसे फहराने से जुड़े नियमों का पालन करने की अपील की। एक्स (ट्विटर) पर एक पोस्ट में दिल्ली पुलिस ने कहा कि हमारा तिरंगा सर्वोच्च सम्मान का हकदार है। हर काम में देशभक्ति झलकनी चाहिए। तिरंगे का सम्मान करें। इसके गौरव को बनाए रखें। इस पोस्ट के साथ एक ग्राफिक भी था, जिसमें राष्ट्रीय ध्वज फहराने के नियम बताए गए थे। इन नियमों के अनुसार, तिरंगे को हमेशा सम्मानजनक स्थान पर रखा जाना चाहिए, इसे कभी भी केसरिया पट्टी नीचे करके नहीं फहराया जाना चाहिए, और इसका इस्तेमाल कपड़ों या किसी चीज़ को ढकने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। पुलिस का यह संदेश ब्श्रच द्वारा कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में शाम 5 बजे प्रस्तावित कार्यक्रम से कुछ घंटे पहले आया है। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने यह कार्यक्रम तब बुलाया है, जब पार्टी के नेता सौरव दास और आशुतोष रंका को एक पिछले विरोध प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लेने के बाद 5 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

## प्रयागराज हत्याकांडः पत्नी बोलीं – चौकी इंचार्ज के सामने मारी गोली, पुलिस बनी रही मूकदर्शक

प्रयागराज। लैब अटेंडेंट सतीश श्रीवास्तव की पत्नी वर्षा ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि चौकी इंचार्ज विनय यादव के सामने पति पति को गोली मारी गई लेकिन पुलिस मूकदर्शक बनी रही। लैब अटेंडेंट सतीश श्रीवास्तव की पत्नी वर्षा ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि चौकी इंचार्ज विनय यादव के सामने पति पति को गोली मारी गई लेकिन पुलिस मूकदर्शक बनी रही। वर्षा ने आरोप लगाया कि जमीन पर कब्जे को लेकर आरोपी काफी समय से परिवार को धमकी दे रहे थे। वर्षा ने बताया कि करीब एक साल पहले ईश्वर शरण ट्रस्ट की ओर से राजेंद्र कुमार श्रीवास्तव के माध्यम से पति को जमीन मिली थी। इसके लिए उन्होंने पैसे जमा किए थे। उनके पास जमीन से संबंधित दस्तावेज भी हैं। देवेंद्र उनके पति के मित्र थे और घर से करीब 10 मीटर की दूरी पर रहते थे। उन्होंने अपनी गाड़ी खड़ी करने के लिए जगह मांगी तो सतीश ने मानवीय आधार पर अनुमति दे दी। आरोप है कि जब परिवार ने कमरा बनवाने के लिए गाड़ी हटाने के लिए कहा तो देवेंद्र ने जमीन को अपना बताते हुए विवाद शुरू कर दिया। इसके बाद से ही परिवार को धमकियां मिलने लगीं। वर्षा के मुताबिक, 10 दिसंबर को बेटी घर में अकेली थी तभी उस पर हमला किया गया। परिवार ने प्राथमिकी भी दर्ज कराई थी लेकिन पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई नहीं की। आरोप है कि इसी तरह की घटना बृहस्पतिवार को फिर हुई और पति की हत्या कर दी गई। वर्षा ने कहा कि पिछली घटना के बाद परिवार को दो माह के लिए पुलिस सुरक्षा मिली थी लेकिन बाद में सुरक्षा हटा ली गई।

वर्षा आरोप है कि हमलावरों ने घर का ताला तोड़ने के साथ गाड़ी क्षतिग्रस्त कर दी। वकालत से जुड़ी फाइलें और अन्य सामान भी तोड़ने व जलाने का आरोप लगाया। देवेंद्र के बेटे ने लोहे का दरवाजा उखाड़कर पति पर हमला किया। वर्षा बताया कि कि उन्हें अपनी और बेटियों की सुरक्षा की चिंता सता रही है। उन्होंने आरोपियों की गिरफ्तारी, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई और परिवार को दोबारा पुलिस सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है। सतीश श्रीवास्तव की हत्या के मामले में सुबह 10रू44 बजे का करीब डेढ़ मिनट का फुटेज सामने आया है। इसमें 20 से 25 लोग दिखाई दे रहे हैं। इनमें कई लोगों ने मास्क पहन रखा है, जबकि कुछ ने गमछे से चेहरे ढक रखे हैं। पुलिस फुटेज के जरिये संदिग्धों की पहचान करने में जुटी है। पुलिस फुटेज और दूसरे साक्ष्यों के आधार पर घटना की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। वहीं, वारदात के बाद हिरासत में लिए गए आरोपियों से पूछताछ कर घटना में उनकी भूमिका और अन्य संदिग्धों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है। सलोरी में सतीश श्रीवास्तव की हत्या के बाद दोनों परिवारों के बीच पुरानी रंजिश का मामला भी चर्चा में है। दिसंबर 2025 में दोनों पक्षों की ओर से कर्नलगंज थाने में दर्ज कराई गई शिकायतों में एक–दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए गए थे। अपर शासकीय अधिवक्ता (एजीए) देवेंद्रनाथ ने आठ दिसंबर 2025 को सतीश समेत कई लोगों पर मारपीट, फायरिंग, जान से मारने की धमकी देने और सोने की चेन छीनने का आरोप लगाया था। शिकायत में चैंबर के सामने पार्किंग में शराब पीने, गालीगलौज और फायरिंग का विरोध करने पर हमला करने की बात कही गई थी। उन्होंने फावड़े से वार करने का आरोप भी लगाया था।

इसके दो दिन बाद 10 दिसंबर की घटना के संबंध में सतीश की बेटी वैशाली ने देवेंद्र, उनके बेटों और अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। वैशाली का आरोप था कि शाम करीब छह बजे कई लोग लाठी–डंडों और असलहों के साथ चहारदीवारी फांदकर घर में घुसे और उसकी पिटाई की। देवेंद्र ने लाइसेंसी रिवॉल्वर की बट से उनके सिर पर वार किया। वैशाली ने मां को असलहा दिखाकर धमकाने, सोने का ब्रेसलेट, घड़ी और दो मोबाइल फोन छीनने और घर में तोड़फोड़ करने का आरोप भी लगाया था। अब पुराने मामलों के साथ जमीन विवाद की कड़ियां भी जांच के दायरे में हैं। कर्नलगंज थाना प्रभारी ज्ञानेश्वर मिश्रा ने बताया कि दर्ज पुरानी एफआईआर को लेकर भी जांच की जा रही है।

## यूपीईएसएससीः सहायक अध्यापक भर्ती के लिए 28 अक्तूबर तक कर सकेंगे आवेदन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने बृहस्पतिवार को सहायक अध्यापक के 12,405 पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अभ्यर्थी अब 28 अक्तूबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन और शुल्क जमा कर सकेंगे।

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने बृहस्पतिवार को सहायक अध्यापक के 12,405 पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अभ्यर्थी अब 28 अक्तूबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन और शुल्क जमा कर सकेंगे। ऑनलाइन आवेदन में संशोधन की अंतिम तिथि 31 अक्तूबर 2026 निर्धारित की गई है। आयोग के अध्यक्ष प्रशांत कुमार की ओर से यह जानकारी दी गई है। यह भर्ती अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों से संबद्ध प्राइमरी तथा बेसिक शिक्षा विभाग के परिषदीय नगरीय विद्यालयों के लिए है। विज्ञापन संख्या 05/2026 के तहत कुल 12,405 पदों पर सीधी भर्ती होनी है। इसमें सहायक अध्यापक संबद्ध प्राइमरी के 897 पद शामिल हैं। बेसिक शिक्षा विभाग के तहत सहायक अध्यापक, शहरी के 11,508 पद शामिल हैं। पहले ऑनलाइन आवेदन और शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 15 अक्तूबर 2026 तय थी जबकि आवेदन में संशोधन की अंतिम तिथि 19 अक्तूबर थी। छात्रों के हित को देखते हुए इन तिथियों को संशोधित कर विस्तारित किया गया है। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के उपसचिव संजय कुमार सिंह ने बताया कि आवेदन और संशोधन की अंतिम तिथियों में वृद्धि के बावजूद लिखित परीक्षा की तारीखें नहीं बदली जाएंगी। लिखित परीक्षा पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही होगी। यह परीक्षा तीन और चार दिसंबर 2026 को आयोजित की जाएगी। अभ्यर्थी विस्तृत दिशा–निर्देशों के लिए आयोग की आधिकारिक वेबसाइट देख सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया से संबंधित सभी जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध है। यह विस्तार अभ्यर्थियों को आवेदन पूरा करने का अतिरिक्त समय देगा। अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन के लिए भी वेबसाइट का अवलोकन कर सकते हैं।

## ट्रेन मैनेजरों के रिफ्रेशर कोर्स में बदलाव, अब पास–फेल की जगह मिलेगी ग्रेडिंग

प्रयागराज। ट्रेनों के संचालन में मानवीय भूलों पर अंकुश लगाने, सतर्कता बढ़ाने और संरक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने के लिए रेलवे बोर्ड ने ट्रेन मैनेजरों (गार्ड) के रिफ्रेशर प्रशिक्षण में बड़ा नीतिगत बदलाव किया है। ट्रेनों के संचालन में मानवीय भूलों पर अंकुश लगाने, सतर्कता बढ़ाने और संरक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने के लिए रेलवे बोर्ड ने ट्रेन मैनेजरों (गार्ड) के रिफ्रेशर प्रशिक्षण में बड़ा नीतिगत बदलाव किया है। काकोदकर समिति की सिफारिशों के आधार पर अब कोर्स के बाद पारंपरिक 'पास या फेल' की परीक्षा व्यवस्था को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। इसकी जगह अब अंकों के आधार पर पारदर्शी ग्रेडिंग प्रणाली लागू की गई है। नई व्यवस्था के तहत कर्मचारियों के प्रदर्शन को तीन श्रेणियों में बांटा गया है।

# राहुल गांधी के खिलाफ याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

प्रयागराज। अमेरिका यात्रा के दौरान सिख समुदाय को लेकर की गई कथित टिप्पणी से जुड़े मामले में राहुल गांधी के खिलाफ दाखिल याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। दोनों पक्षों ने करीब दो घंटे तक अपनी दलीलें पेश कीं। जस्टिस विक्रम डी चौहान की सिंगल बेंच ने सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित किया है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के अमेरिका दौरे के दौरान सिख समुदाय को लेकर दिए गए कथित बयान का मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंच गया है। इस मामले में दाखिल पुनरीक्षण याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई पूरी हो गई। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। जस्टिस विक्रम डी चौहान की सिंगल बेंच ने सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित किया है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता सत्येंद्र कुमार त्रिपाठी के मुताबिक, राहुल गांधी ने सितंबर 2024 में अमेरिका यात्रा के दौरान सिख समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर टिप्पणी की थी। आरोप है कि उन्होंने कहा था कि भारत में सिखों को कड़ा पहनने, पगड़ी बांधने और गुरुद्वारे जाने की आजादी को लेकर स्थिति चिंताजनक है। इसी बयान को आधार बनाकर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

याचिकाकर्ता नागेश्वर मिश्रा, जो पूर्व ग्राम प्रधान और समाजसेवी हैं, ने कथित बयान के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए कानूनी प्रक्रिया अपनाई थी। उनके अधिवक्ता के अनुसार, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 173(4) के तहत आवेदन दिए जाने के बावजूद निचली अदालत से राहत नहीं मिली। इसके बाद मजिस्ट्रेट के आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दाखिल की गई।

याचिकाकर्ता के पक्ष ने दलील दी कि कथित बयान की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच और कानूनी कार्रवाई पर विचार किया जाना चाहिए। अधिवक्ता ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 152 का भी उल्लेख करते हुए कार्रवाई की मांग की। उन्होंने यह भी दावा किया कि बयान के अगले दिन खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू ने राहुल गांधी की टिप्पणियों का समर्थन किया था। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों ने अपनी दलीलें रखीं। इसके बाद अदालत ने निर्णय सुरक्षित कर लिया। अब मामले में अदालत के अंतिम आदेश पर निगाहें टिकी हैं।

# सतीश श्रीवास्तव हत्याकांडः अंतिम संस्कार न करने पर अड़े परिजन, आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलाने की मांग

प्रयागराज। सलोरी में भूमि विवाद को लेकर सतीश श्रीवास्तव की हत्या के बाद शुक्रवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया। परिजन शव को घर लेकर पहुंचे तो आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और सुरक्षा और आरोपी का घर बुलडोजर से गिराने की मांग रखी गई है। सतीश कुमार श्रीवास्तव की पत्नी वर्षा श्रीवास्तव ने कहा कि जब तक इन मांगों को नहीं माना जाता तब तक वह शव का अंतिम आरोप है कि पड़ोसी अपर शासकीय अधिवक्ता देवेंद्र नाथ मिश्रा बेटे और 20–25 लोगों के साथ विवादित मकान और प्लॉट की बाउंड्री तोड़ने पहुंचे थे। विरोध करने पर सतीश की पिटाई की गई फिर लाइसेंसी ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज में लैब अटेंडेंट थे। उनकी पत्नी वर्षा ईश्वर शरण पब्लिक स्कूल में शिक्षिका हैं जबकि बेटी वैष्णवी निजी कॉलेज में पढ़ाती हैं। परिवार में उनकी दूसरी बेटी वैशाली भी है।

वर्षा ने बताया कि बृहस्पतिवार को वह पति और बेटियों के साथ कॉलेज में थीं। सुबह करीब 11 बजे सतीश ने फोन कर बताया कि सलोरी स्थित मकान में देवेंद्र कई लोगों के साथ पहुंचा है। वह जल्दी घर पहुंचने के लिए कह रहे थे। वहां पहुंचने पर देखा कि देवेंद्र बेटे निपेंद्र उर्फ बच्चू, बहू और 20–25 लोगों के साथ मौजूद था। वर्षा ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने मकान का ताला तोड़ने के साथ पीछे स्थित प्लॉट की बाउंड्री भी तोड़ दी।

मुआवजे की मांग को लेकर अड़ गए।

सलोरी में भूमि विवाद को लेकर सतीश श्रीवास्तव की हत्या के बाद शुक्रवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया। परिजन शव को घर लेकर पहुंचे तो आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और मुआवजे की मांग को लेकर अड़ गए। एक करोड़ रुपये का मुआवजा, दोनों बच्चियों की सरकारी नौकरी, आजीवन संस्कार नहीं करेंगी। एसीपी कर्नलगंज विवेक यादव, एसीपी झूंसी अरुण पाराशर और एसडीएम अंकित वर्मा पुलिस बल के साथ मौजूद हैं।

बता दें कि सलोरी में बृहस्पतिवार को नजूल की जमीन पर कब्जे के विवाद में ईश्वर डिग्री कॉलेज के लैब अटेंडेंट व अधिवक्ता सतीश कुमार श्रीवास्तव (52) की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। रिवॉल्वर से उनके पेट में गोली मार दी गई थी।

उधर, घटना में देवेंद्र भी गंभीर रूप से जख्मी हैं। उन्हें एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना में फुटेज सामने आया है जिसमें मास्क और गमछे से चेहरा ढक कर कुछ लोग जाते दिख रहे हैं। पुलिस तीन लोगों को हिरासत में लिया है। सलोरी निवासी सतीश घर से कुछ दूर स्थित

विरोध करने पर पथराव किया और सतीश पर लोहे की रॉड से हमला किया गया। इसके बाद लाइसेंसी रिवॉल्वर से उनके पेट में गोली मार दी गई। गंभीर हालत में उन्हें एसआरएन अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक, सतीश और देवेंद्र के बीच नजूल की संपत्ति को लेकर पहले से विवाद चल रहा था।

# प्रयागराज, प्रतापगढ़ समेत कई जिलों में बदले जिला जज, हाईकोर्ट ने जारी की अधिसूचना

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश में न्यायिक अधिकारियों के स्तर पर बड़ा फेरबदल करते हुए 36 अधिकारियों की तैनाती और तबादले की अधिसूचना जारी की है। चित्रकूट के जिला एवं सत्र न्यायाधीश शेष मणि को प्रयागराज का जिला जज बनाया गया है, जबकि फिरोजाबाद के जिला जज डॉ. बब्बू सारंग को प्रतापगढ़ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा कई जिलों के जिला जजों के साथ विभिन्न न्यायालयों और अधिकरणों में भी नई तैनाती की गई है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश में 36 न्यायिक अधिकारियों के तबादले और नई तैनाती की अधिसूचना जारी की है। इसके तहत चित्रकूट के जिला एवं सत्र न्यायाधीश शेष मणि को प्रयागराज का जिला जज बनाया गया है। वहीं, प्रतापगढ़ के जिला जज राजीव कमल पांडेय का तबादला मुजफ्फरनगर कर दिया गया है, जबकि फिरोजाबाद के जिला जज डॉ. बब्बू सारंग को प्रतापगढ़ का जिला जज नियुक्त किया गया है। अधिसूचना के अनुसार, श्रावस्ती के जिला जज दिनेश चंद को भदोही, सहारनपुर के जिला जज सत्येंद्र कुमार को उन्नाव, शामली के जिला जज इंदर प्रीत सिंह जोश को बागपत और मुरादाबाद के जिला जज सैयद मऊज बिन आसिम को रायबरेली भेजा गया है। बागपत के जिला जज मनोज कुमार–तृतीय को फिरोजाबाद, रायबरेली के जिला जज अमित पाल सिंह को मुरादाबाद और हमीरपुर के जिला जज मनोज कुमार राय को सहारनपुर में तैनाती दी गई है।

कानपुर नगर परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश रोहित सिन्हा को महोबा का जिला जज बनाया गया है। लखनऊ स्थित वाणिज्यिक कर अधिकरण के अध्यक्ष रमेश चंद–प्रथम को श्रावस्ती का जिला जज नियुक्त किया गया है। औरैया परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश विवेक त्रिपाठी को चंदौली, बुलंदशहर मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के पीठासीन अधिकारी राजीव कुमार–तृतीय को ललितपुर और गोंडा परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश सुनील कुमार–पंचम को चित्रकूट का जिला जज बनाया गया है।

अमरोहा मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के पीठासीन अधिकारी लोकेश राय को लखीमपुर खीरी, पीलीभीत के पीठासीन अधिकारी राम कुशल को शामली और गोरखपुर वाणिज्यिक न्यायालय के पीठासीन अधिकारी राम प्यारे को हमीरपुर का जिला जज नियुक्त किया गया है। गौतमबुद्धनगर वाणिज्यिक न्यायालय के पीठासीन अधिकारी रवींद्र नाथ दुबे को लखनऊ स्थित वाणिज्यिक कर अधिकरण का अध्यक्ष बनाया गया है। लखीमपुर खीरी के जिला जज शिव कुमार सिंह को लखनऊ में प्रशासनिक अधिकरण–तृतीय का अध्यक्ष और प्रशासनिक अधिकरण–प्रथम का सदस्य नियुक्त किया गया है।

हापुड़ मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के पीठासीन अधिकारी गुरप्रीत सिंह बावा को गौतमबुद्धनगर वाणिज्यिक न्यायालय और पीलीभीत परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश संजीव कुमार सिन्हा को गोरखपुर वाणिज्यिक न्यायालय में तैनाती दी गई है। मुजफ्फरनगर परिवार न्यायालय के अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश दिनेश प्रताप सिंह को मुजफ्फरनगर में और गाजियाबाद परिवार न्यायालय के अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश नीतीश कुमार राय को उन्नाव में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद पर तैनात किया गया है। उन्नाव में कविता मिश्रा को एससी–एसटी अधिनियम के मामलों का विशेष न्यायाधीश, अंकिता शुक्ला को अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, प्रेम प्रकाश को विशेष न्यायाधीश और राम राज–द्वितीय को अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद पर तैनाती दी गई है। मेरठ में रीमा मल्होत्रा को भ्रष्टाचार निरोधक मामलों का विशेष न्यायाधीश, रितिश सचदेवा को अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अजय कुमार–प्रथम को विशेष न्यायाधीश और चंद्रशेखर मिश्रा को अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश बनाया गया है।

## 14.90 करोड़ के कथित गबन में विजय जिंदल समेत चार की अग्रिम जमानत खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद के वेव सिटी थाने में दर्ज 14.90 करोड़ रुपये के कथित गबन के मामले में विजय जिंदल समेत चार आरोपियों की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह ने मामले की सुनवाई के बाद यह आदेश दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद के वेव सिटी थाने में दर्ज 14.90 करोड़ रुपये के कथित गबन के मामले में विजय जिंदल समेत चार आरोपियों की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह ने मामले की सुनवाई के बाद यह आदेश दिया।

एफआईआर राकेश गर्ग के निजी सहायक संजय राणा ने 19 नवंबर 2025 को दर्ज कराई थी। आरोप है कि फ्रेंड्स लैंड डेवलपर्स फर्म के पूर्व साझेदारों ने ग्रुप हाउसिंग का नक्शा जारी कराने के लिए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) में 16.80 करोड़ रुपये से अधिक बाहरी विकास शुल्क जमा किया था। वर्ष 2010 में हाईकोर्ट ने इस शुल्क को अवैध ठहराया था। आरोप है कि रकम लौटाने के बजाय बचे साझेदारों ने इसे अनधिकृत निर्माण के कंपाउंडिंग शुल्क में समायोजित करा लिया।

आवेदकों की ओर से दलील दी गई कि विवाद दीवानी प्रकृति का है और इसके निपटारे के लिए मध्यस्थता कार्यवाही चल रही है। वहीं, अभियोजन पक्ष ने आरोपों को गंभीर बताते हुए जीडीए अधिकारियों की मिलीभगत और चेकों की बरामदगी के लिए हिरासत में पूछताछ जरूरी बताई। अभियोजन ने यह भी कहा कि पूरक समझौते में आवेदकों ने 14.90 करोड़ रुपये की रकम पूर्व साझेदारों की होने की बात स्वीकार की है।

## फर्जी बैंक रसीद से चार करोड़ के गबन का आरोप, अकाउंटेंट की जमानत खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वाराणसी के धार्मिक संस्थान में चार करोड़ रुपये से अधिक की कथित हेराफेरी के मामले में आरोपी अकाउंटेंट विवेक कुमार की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति कृष्ण पहल ने मामले की गंभीरता को देखते हुए यह आदेश दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वाराणसी के धार्मिक संस्थान में चार करोड़ रुपये से अधिक की कथित हेराफेरी के मामले में आरोपी अकाउंटेंट विवेक कुमार की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति कृष्ण पहल ने मामले की गंभीरता को देखते हुए यह आदेश दिया। चौबेपुर थाने में दर्ज मुकदमे के अनुसार आरोपी एक योग संस्थान में अकाउंटेंट था। आरोप है कि 23 सितंबर 2025 को उसने चढ़ावे के 20 हजार रुपये जमा करने के संबंध में एचडीएफसी बैंक की रसीद दी। कर्मचारियों को संदेह होने पर बैंक से जांच कराई गई तो रसीद फर्जी निकली। जांच में अन्य जमा रसीदें भी जाली पाई गईं। आरोप है कि आरोपी ने बैंककर्मियों को रिश्वत देने की कोशिश की। उसके भाई अभिषेक कुमार पर भी साजिश में शामिल होने का आरोप है। बचाव पक्ष ने दलील दी कि आरोपी को झूठा फंसाया गया है। वह 12 वर्षों से संस्थान में काम कर रहा था और उसका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। वहीं, विपक्षी अधिवक्ताओं ने करोड़ों रुपये के गबन और आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाया। कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद जमानत अर्जी खारिज कर दी।

## विश्व एनेस्थीसिया दिवसः जटिल सर्जरी के बाद मरीज के दर्द को पैच से किया जाता है नियंत्रित

प्रयागराज। कैंसर की जटिल सर्जरी हो या किडनी ट्रांसप्लांट, ऑपरेशन के बाद मरीज को लंबे समय तक दर्द से राहत देना चिकित्सकों के लिए बड़ी चुनौती होती है। आधुनिक एनेस्थीसिया तकनीक में ट्रांसडर्मल पैच इस चुनौती को आसान बना रहे हैं। त्वचा पर लगाए जाने वाले इन पैच के जरिए दवा धीरे–धीरे शरीर में पहुंचती है और मरीज को कई दिनों तक दर्द से राहत देने में मदद करती है। एसआरएन अस्पताल में किडनी ट्रांसप्लांट और कैंसर सर्जरी के मरीजों के दर्द प्रबंधन में इस तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। कैंसर व किडनी ट्रांसप्लांट की सर्जरी के बाद मरीज के दर्द को लंबे समय तक नियंत्रित करना चिकित्सक के लिए काफी कठिन होता है। एनेस्थीसिया के बदलते स्वरूप में इसे काफी आसान बना दिया है। अब ऐसे असहनीय दर्द को नियंत्रित करने के लिए त्वचा में एक पैच लगा दिया जाता है। जो सात से आठ दिन तक मरीज के दर्द को नियंत्रित रखता है। एसआरएन अस्पताल में इस साल दो मरीजों का गुर्दा प्रत्यारोपण हो चुका है। मरीज को सटीक एनेस्थीसिया के जरिये अचेत करना व उसके दर्द को नियंत्रित करना बड़ी चुनौती थी। करीब चार घंटे चली सर्जरी के बाद मरीज को चार घंटे अतिरिक्त अचेत अवस्था में रखा गया। वहीं, आईसीयू से निकलने के बाद मरीज की त्वचा में पैच लगाकर एक हफ्ते दर्द को नियंत्रित किया गया। एसआरएन अस्पताल में 20 सितंबर को मुंह के कैंसर से पीड़ित 60 वर्षीय मरीज की सर्जरी की गई। इस दौरान मरीज के जबड़े को काटकर कैंसर का भाग हटाया गया। जिसके बाद मरीज के पैर की हड्डी व मांस को लेकर चेहरे को जोड़ा गया। ऐसे में मरीज के दर्द को एक हफ्ते तक पैच लगाकर नियंत्रित किया गया। एनेस्थीसिया और दर्द प्रबंधन में पैच (ट्रांसडर्मल पैच) का मुख्य रोल सर्जरी के बाद व किसी प्रक्रिया के दौरान मरीज को लगातार और बिना सुई लगाए दर्द से राहत देना होता है। इन पैच को त्वचा पर चिपकाया जाता है, जिससे दवा धीरे–धीरे त्वचा के रास्ते सीधे खून में पहुंचती है।

## मेजारोड चौराहे पर राज्यसभा सदस्य का किया गया स्वागत

प्रयागराज। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी का मेजारोड चौराहे पर बृहस्पतिवार को स्वागत किया गया। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधा। तिवारी ने कहा कि भाजपा को अपना इतिहास देखना चाहिए, जब लोकसभा में उनके सिर्फ दो सांसद थे। तिवारी ने कहा कि प्रदेश में जल्द ही कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनेगी। प्रमोद तिवारी विंध्याचल स्थित विंध्यवासिनी के दर्शन के लिए जा रहे थे। कांग्रेसियों ने पूर्व जिलाध्यक्ष अरुण तिवारी के नेतृत्व में मेजारोड चौराहे पर रोककर उनका स्वागत किया।

प्रमोद तिवारी ने भाजपा पर चंदा चोरी और चढ़ावा चोरी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जनता से किए वादे को पूरा करने में असफल रही। दस साल में उसके पास बताने के लिए कुछ भी नहीं है। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस गठबंधन की सरकार दो –तिहाई बहुमत से बनने का भरोसा जताया। मौके पर राजेंद्र प्रसाद शुक्ला, कृष्णाकांत तिवारी सहित कांग्रेस के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## शिव का धनुष तोड़ते ही मिथिला में लगे जयकारे

प्रयागराज। सिरसा कस्बे में चल रही रामलीला के तीसरे दिन धनुष यज्ञ का मंचन किया गया। भगवान श्री राम ने शिव धनुष तोड़कर सीता से स्वयंवर रचाया, जिससे मिथिला में जयकारे लगे। राजा जनक की प्रतिज्ञा थी कि शिव धनुष तोड़ने वाले से ही सीता का विवाह होगा। स्वयंवर में कई राजा धनुष तोड़ने में असफल रहे। गुरु विश्वामित्र की आज्ञा से श्री राम ने सहजता से धनुष उठाया और उसे तोड़ दिया।

## कॉस्मेटिक की दुकान में लगी आग, 18 से 20 लाख रुपये का माल जलकर राख

### श्याम जनरल स्टोर में आग लगने से भारी नुकसान, आग लगने के कारणों का नहीं चला पता

मथुरा। कोतवाली क्षेत्र स्थित रंगेश्वर मार्केट में शुक्रवार सुबह एक कॉस्मेटिक की दुकान में अचानक आग लग गई। आग की चपेट में आने से दुकान में रखा करीब 18 से 20 लाख रुपये का माल जलकर नष्ट हो गया। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की

गाड़ी मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक दुकान में रखा काफी सामान जल चुका था। जानकारी के अनुसार, थाना सदर क्षेत्र निवासी मुरली मनोहर अग्रवाल की रंगेश्वर मार्केट में श्याम जनरल स्टोर के नाम से कॉस्मेटिक की दुकान है। शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे उन्हें सूचना मिली कि उनकी दुकान में आग लग गई है। सूचना मिलते ही दुकान पर पहुंचे और आग से हुए नुकसान का जायजा लिया। दुकान में कॉस्मेटिक का काफी सामान रखा हुआ था। आग के कारण करीब 18 से 20 लाख रुपये के माल के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। आग किन परिस्थितियों में लगी, इसका फिलहाल स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पीड़ित दुकानदार मुरली मनोहर अग्रवाल ने घटना के संबंध में कोतवाली में तहरीर देकर प्रशासन से आग लगने के कारणों का पता कर मदद करने की गुहार लगाई है।

## सौभरि नगर वन में डीएम, एसएसपी और डीएफओ ने लगाए चंदन के पौधे

### 123 हेक्टेयर में विकसित हो रहा नगर वन, 26 ग्रिडों में रोपे गए 76,875 पौधे

मथुरा। वृंदावन में यमुना किनारे विकसित किए जा रहे सौभरि नगर वन में शुक्रवार को जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार और डीएफओ वेंकट श्रीकर पटेल ने चंदन के पौधे लगाए। करीब 123 हेक्टेयर क्षेत्रफल में विकसित हो रहे इस नगर वन में अब तक 26 ग्रिडों में 76,875 पौधों का रोपण किया गया है। सौभरि

नगर वन में पीपल, बरगद, कदंब, जामुन और अर्जुन सहित विभिन्न देशज प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं। इसका उद्देश्य ब्रज की पौराणिक वन संपदा को पुनर्जीवित करने के साथ मथुरा–वृंदावन क्षेत्र में हरित आवरण का विस्तार करना है। वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन क्षेत्रीय वन अधिकारी अतुल तिवारी ने किया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन और प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रखने पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने पौधरोपण के माध्यम से ब्रज क्षेत्र को हरा–भरा बनाने और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया। सौभरि नगर वन के विकसित होने से क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने और प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने में मदद मिलने की उम्मीद है। पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण से ही इस पहल के उद्देश्यों को पूरा किया जा सकेगा।


**उत्तर मध्य रेलवे**

ई-टेन्डर नं0 : पीआरवाईजे-सिग-046-2026-27 दिनांक : 14.10.2026

**ई-निविदा सूचना**

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता/समन्वय/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये **ई-निविदा** निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 06.11.2026 को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

| | | |
|---|---|---|
| क्र.सं.: 1 | निविदा नं. : पीआरवाईजे-सिग-046-2026-27 | अनुमानित मूल्य (₹) : 1,11,50,542/- |

कार्य का विवरण : प्रयागराज स्टेशन, संगम क्षेत्र, सूबेदारगंज, नैनी और प्रयागराज छिवकी स्टेशनों पर माघ मेला से संबंधित एसएंडटी मदों का प्रावधान।

| | |
|---|---|
| बिड सिक्योरिटी (₹) : 2,23,000/- | निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹) : 0/- |
| कार्य समापन की अवधि : 03 माह | निविदा बन्द होने की तिथि : 06.11.2026 |

2. निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता : निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि से 21 दिन पहले उपलब्ध हो जायेंगें।

3. निविदा खुलने का समय, तिथि तथा स्थान : निविदा पूर्व निर्धारित तिथि को 12:30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी।

2353/26 (C)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR



**उत्तर मध्य रेलवे**

No. : 75-W/258/DY.CEE/C/PRYJ/Public Notification/804, Dated : 15.10.2026

**सार्वजनिक अधिसूचना**

प्रयागराज स्थित रेजिडेंशियल क्वार्टर, 10th एवेन्यू उपकेंद्र के आसपास रहने वाले समस्त नागरिकों को सूचित किया जाता है कि नीचे उल्लिखित 11 केवी, 50 हर्ट्ज एसी विद्युत उपकेंद्र, 11 केवी ओवरहेड विद्युत लाइन तथा भूमिगत केबल नेटवर्क को संबंधित अनुभाग के सामने निर्दिष्ट तिथि को अथवा उसके पश्चात विद्युत आपूर्ति हेतु चालू (ऊर्जीकृत) कर दिया जाएगा। उक्त तिथि से विद्युत उपकेंद्र, ओवरहेड विद्युत लाइन तथा भूमिगत केबल नेटवर्क को हर समय चालू एवं विद्युत प्रवाहित माना जाए। अतः कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति उक्त विद्युत उपकेंद्र एवं भूमिगत केबलों के निकट न जाए और न ही उनके आसपास किसी प्रकार का कार्य करे।

**चार्ज करने की तिथि : 17.10.2026 या बाद**

| क्रमांक | सेक्शन | किलोमीटर/लोकेशन/चैनेज से | किलोमीटर/लोकेशन/चैनेज तक |
|---|---|---|---|
| 1 | 11/0.433 केवी रेजिडेंशियल क्वार्टर, 10th एवेन्यू नवीन विद्युत उपकेंद्र | उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज के रेजिडेंशियल क्वार्टर, 10th एवेन्यू विद्युत उपकेंद्र परिसर में। | |
| 2 | 11 केवी ओवरहेड विद्युत लाइन एवं भूमिगत केबल नेटवर्क | 33/11 केवी डीलक्स लूकरगंज रेलवे विद्युत उपकेंद्र, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज। | प्रस्तावित 11/0.433 केवी, 400 एम्पियर वीसीबी (वैक्यूम सर्किट ब्रेकर), 350 एमवीए क्षमता के मौजूदा स्विचगियर से, रेलवे विद्युत उपकेंद्र, प्रयागराज |

2362/26 (C)

उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR


# सीएमपी डिग्री कॉलेज में 'यूपी राइज़ युवा शक्ति थिंक टैंक 2026' का आयोजन, मेधावी छात्रों को मिला 25 हजार का पुरस्कार

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय सीएमपी डिग्री कॉलेज में उत्तर प्रदेश सरकार एवं ट्राइबवाइब तथा टाइम्स नाउ नवभारत के संयुक्त तत्वावधान में श्यूपी राइज़ युवा शक्ति थिंक टैंक 2026श का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज के इंस्टीट्यूट इनोवेशन सेल (आईआईसी) तथा करियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में प्यारे लाल सभागार में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं में भारी उत्साह देखा गया और काफी संख्या में उनकी गरिमामयी उपस्थिति रही।कार्यक्रम के दौरान हर्षित देसाई (मैनेजिंग पार्टनर दृ जतंजवअपजल एवं एंजेल इन्वेस्टर) और लता रस्तोगी (। कंसलटेंट एवं टेक्निकल आर्किटेक्ट) जैसे उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने उपस्थित होकर युवाओं को नवाचार, तकनीक और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) के बारे में मार्गदर्शन दिया।

इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश सरकार की युवा सशक्तिकरण और नवाचार नीतियों, जैसे श्मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियानश और श्यूपी स्टार्टअप नीतिश, के तहत प्रदेश के युवाओं में उद्यमिता, तकनीकी समाधान एवं नए विचारों को प्रोत्साहित करना है। इसके अंतर्गत युवाओं को अपने नवाचारों को धरातल पर उतारने और नए उद्योगों के जरिए आत्मनिर्भर बनने का मंच प्रदान किया जा रहा है।

कार्यक्रम में प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा की गई। इसमें प्रथम स्थान (विजेता) बीसीए–एमसीए डेटा साइंस (पांचवें सेमेस्टर) के छात्र सूर्यांश त्रिपाठी ने हासिल किया। उन्होंने श्वायु कवच 360श नाम से एक मॉडल प्रस्तुत किया, जो चक्रवात (साइक्लोन) के आने से 48 घंटे पहले ही उसकी सटीक भविष्यवाणी और पहचान करने में सक्षम है। विजेता को प्रोत्साहन स्वरूप 25,000 रुपये की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

प्रतियोगिता में प्रथम उपविजेता (फर्स्ट रनर अप) सीएमपी डिग्री कॉलेज के रसायन विज्ञान विभाग की छात्रा काजल सिंह रहीं। उन्होंने श्यूनिविरश नाम से एक अभिनव विचार प्रस्तुत किया, जिसके अंतर्गत एक ही स्लीपर में अलग–अलग आकार (विभिन्न साइज़) को समायोजित (एडजस्ट) किया जा सकता है। वहीं, द्वितीय उपविजेता (सेकंड रनर अप) की ट्रॉफी विवेकानंद राय, अमृतांशु शुक्ला, निलय राज और संगम राज की संयुक्त टीम को मिली। इनकी टीम ने श्एग्री–गोश मॉडल तैयार किया है, जिसका मुख्य उद्देश्य किसानों को फसलों के नवीनतम मूल्य व अपडेट उपलब्ध कराना तथा नई पीढ़ी (जन–ज़ेड) के युवाओं को आधुनिक कृषि तकनीक से जोड़ना है।

कार्यक्रम की सफलता में कॉलेज के प्राचार्य प्रो. अजय पी.खरे (संरक्षक), आईआईसी संयोजक डॉ. आलोक कुमार सिंह तथा करियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल की संयोजक व समन्वयक डॉ. रुचिका वर्मा का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में कॉलेज की उप प्राचार्य प्रो. नीता सिन्हा एवं मुख्य नियंता (चीफ प्रॉक्टर) प्रो. संजय सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इसके साथ ही करियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल तथा आयोजन समिति के सदस्य डॉ. वीरेश्वर पांडे, डॉ. अर्चना राजे, डॉ. शर्मिला श्रीवास्तव, डॉ. प्रणयकांत विश्वास, डॉ. आशीष, डॉ. सारिका सुशील आदि की सक्रिय उपस्थिति एवं सहयोग रहा। अतिथियों व शिक्षकों ने विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और नवाचारों की सराहना की।

# विंध्याचल रेलवे स्टेशन पर सेंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड की जनसेवा, 610 से अधिक श्रद्धालुओं को नि:शुल्क प्राथमिक चिकित्सा

प्रयागराज। मंडल रेल प्रबंधक, प्रयागराज श्री रजनीश अग्रवाल के मार्गदर्शन में शारदीय नवरात्रि मेले के दौरान विंध्याचल रेलवे स्टेशन पर श्रद्धालुओं की सुविधा एवं स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए सेंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा नि:शुल्क प्राथमिक चिकित्सा शिविर संचालित किया जा रहा है। शिविर के माध्यम से अब तक 610 से अधिक श्रद्धालुओं को प्राथमिक उपचार एवं स्वास्थ्य संबंधी सहायता प्रदान की जा चुकी है। स्वयंसेवक चौबीसों घंटे सेवाएँ देकर श्रद्धालुओं की सहायता में जुटे हैं।

दिनांक 16 अक्टूबर 2026 को वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी एवं डिवीजनल कमांडर (प्रशासन), सेंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज श्री अमित मालवीय तथा मंडल जनसंपर्क अधिकारी श्री अमित सिंह ने विंध्याचल रेलवे स्टेशन स्थित प्राथमिक चिकित्सा शिविर का निरीक्षण किया। इस दौरान मिर्जापुर के चिकित्सा अधिकारी डॉ. विपिन भी उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने शिविर में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं सेंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज के उपयुक्त डॉ. सुरेंद्रनाथ के

प्राथमिक उपचार की व्यवस्थाओं तथा श्रद्धालुओं को प्रदान की जा रही सहायता का जायजा लिया। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात स्वयंसेवकों को आवश्यक दिशा–निर्देश देते हुए मेले के दौरान श्रद्धालुओं को त्वरित एवं प्रभावी चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने पर जोर दिया। इसके साथ ही स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं का भी गहन निरीक्षण किया तथा है। वहीं, द्वितीय... दिशा–निर्देश में संचालित इस शिविर का उद्देश्य माँ विंध्यवासिनी के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को आवश्यकता पड़ने पर तत्काल प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराना है। यहाँ पैरों में दर्द, चोट, बुखार, सर्दी–जुकाम तथा कटने, छिलने एवं जलने जैसी समस्याओं में सहायता दी जा रही है।

वर्तमान बैच का संचालन मंडल सचिव–1 श्री आलोक कुमार वर्मा, कॉर्पोरल श्री अमित कुमार मौर्य एवं सार्जेंट श्री जितेंद्र विश्वकर्मा के नेतृत्व में किया जा रहा है। इस सेवा कार्य में श्री संदीप कुमार केसरवानी, श्री सुरेश कुमार साहू, श्री राजेश कुमार वर्मा, श्री प्रशांत कुमार, श्री सुग्रीव पांडेय, श्री कालीचरण, श्री लव, श्री मनोज कुमार, श्री जतन तिवारी, श्री रणजीत सिंह, श्री प्रमोद कुमार पटेल, श्री राजीव रंजन, श्री प्रवीण कुमार, श्री कृष्णा सहित अन्य स्वयंसेवक सराहनीय भूमिका निभा रहे हैं।

शिविर के संचालन के लिए स्वयंसेवकों की तैनाती दो बैचों में की गई है। वर्तमान बैच 16 से 21 अक्टूबर 2026 तक अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहा है। सेंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड की यह पहल नवरात्रि मेले में श्रद्धालुओं को राहत प्रदान करने के साथ रेलवे की यात्री सेवा, मानवीय संवेदना एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

## चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के मेला प्रांगण में आयोजित तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेले की प्रदर्शनी का उद्घाटन 15 अक्टूबर को प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किया। प्रदर्शनी में विभिन्न प्रदेशों से आए व्यापारियों ने कृषि उपकरणों एवं कृषि कार्यों से संबंधित उत्पादों के स्टॉल लगाए हैं, जिनका लाभ उठाने के लिए प्रदेश भर से किसान पहुंच रहे हैं। किसान मेले के अंतर्गत साहित्य एवं कला संबंधी प्रस्तुतियों की शृंखला में विशाल मंच पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डॉ. वी.के. त्रिपाठी ने किया। डॉ. अजय अटल की वाणी–वंदना से प्रारंभ हुए कवि सम्मेलन की अध्यक्षता सतीश कुमार सिंह ने की, जबकि संचालन हास्य–व्यंग्य

के प्रसिद्ध कवि अमित अनपढ़ ने किया। कवि सम्मेलन में सतीश कुमार सिंह (रायबरेली), जयराम जय, डॉ. अजय अटल (कासगंज), अमित अनपढ़ (लखनऊ), नीरू श्रीवास्तव, सर्जन शीतल (एटा), मुरली कबीर, सुमन लता सचान, लाल सिंह प्रहरी, डॉ. संजीव कुमार सिंह तथा केशव प्रसाद सरस ने अपनी सरस एवं प्रभावपूर्ण रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। इस अवसर पर आमंत्रित कवियों को विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार ने सम्मानित किया। श्रोताओं से खचाखच भरे पंडाल में सामाजिक यथार्थ को स्वर देते हुए कवि जयराम जय ने अपने नवगीत की पंक्तियां सुनाईं–

सबने अपनी राह में हैं, बो दिए काँटे,
दर्द सबका कौन अब बाँटे!

इन पंक्तियों ने श्रोताओं को विशेष रूप से प्रभावित किया और खूब तालियां बटोरीं।

गीत की संवेदना और उसकी अभिव्यक्ति को रेखांकित करते हुए डॉ. अजय अटल ने सुनायाः

नयन में सागर है, वरना अश्रु नमकीन नहीं होते,
कंठ में करुणा है, वरना गीत गमगीन नहीं होते।

उनकी इन पंक्तियों को श्रोताओं ने भरपूर सराहना दी।

राष्ट्र की समृद्धि और धरती की उर्वरता का गुणगान करते हुए नीरू श्रीवास्तव ने अपना मुक्तक प्रस्तुत कियारू

डरे आँधी न तूफ़ाँ से,
न पुरवाई के झोंकों से,
लिखे हैं छंद खेतों पे,
यहाँ हम सबने नोकों से।
छिपे हैं गर्भ में इसके
कहीं हीरा, कहीं मोती,
हमारे देश की धरती है
पावन तीनों लोकों से।

इस मुक्तक ने श्रोताओं में राष्ट्रप्रेम और अपनी धरती के प्रति गौरव का भाव जगाया।

समकालीन जीवन की विडंबनाओं और अंतर्मन की पीड़ा को अभिव्यक्त करते हुए मुरली कबीर की पंक्तियों को भी खूब सराहना मिलीरू

मैं समंदर रहा, फिर भी प्यासा रहा,
और पलकों पे मोती सजाता रहा।
होंठ गाते रहे दर्द की दास्ताँ,
आप सुनते रहे, मैं सुनाता रहा।

प्रेम और आत्मसम्मान की संवेदनशील अभिव्यक्ति के लिए पहचानी जाने वाली कवयित्री सुमनलता सचान ने अपनी विशिष्ट भावभूमि को इन पंक्तियों में प्रस्तुत किया।

## दौलत के हैं मित्र

तीखेपन में प्यार झलकता है कब किसका।
हर मीठा संवाद न करता है हित सबका।
दिल रहता है मौन जुबा कुछ भी है कहती।
सच्चाई से दूर हृदय में विष है रखती।
अमृत को कहकर जहर, भरमाते दिन रात हैं।
वे ही जग में श्रेष्ठ बन बाँट रहे सौगात हैं।।

दौलत के हैं मित्र न उनको अपना कहना।
भूलो मत यह बात याद हरदम यह रखना।
मीठे–मीठे शब्द हृदय की काली भाषा।
काट रहे हैं जेब जगा कर कोरी आशा।
सच्चाई बस है यही बलि का बकरा आप हैं।
वैभव जिनके हैं सगे रुपये उनके बाप हैं।।

**डॉ. प्रदीप चित्रांशी**
लूकरगंज, प्रयागराज

## ठहाकों और देवी गीतों से गुलजार हुआ पूजा पाण्डाल

करछना। तहसील क्षेत्र के पिपरावं,नई बस्ती में मां दुर्गा पूजा समिति द्वारा आयोजित नवरात्रि उत्सव के पांचवें दिन पूजा पाण्डाल में बड़ी संख्या में पहुंचे भक्तों ने स्कंदमाता के स्वरूप का पूजन अर्चन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस दौरान मंच पर पहुंचे चर्चित हास्य कवि अशोक बेशरम की कविताओं पर जमकर ठहाके लगे।दरोगा भौजी,और मोलई के बियाह जैसी अवधी

कविताओं पर श्रोता देर रात तक लोटपोट होते रहे। वहीं आकाशवाणी एवं सांस्कृतिक केंद्र की मशहूर लोक गायिका मोहिनी श्रीवास्तव द्वारा प्रस्तुत देवी गीतों कर तालियों की संगत करते भक्तजन भाव विभोर हो उठे।कवि और कलाकार को समिति द्वारा सम्मानित भी किया गया। इसके पूर्व मां की भव्य आरती और प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम के उपरान्त समिति के लोगों ने उपस्थित श्रद्धालु भक्तजनों के प्रति आभार ज्ञापित किया। इस मौके पर भा.ज.पा के जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला, शंभू नाथ सिंह,सोमपाल सिंह,अभिषेक श्रीवास्तव,कृष्ण मुरारी विश्वकर्मा, वेद श्रीवास्तव, किरण सिंह, बाबू जी,माजू महाजन, महेश प्रजापति, राजेंद्र प्रसाद विश्वकर्मा, रोशन लाल, सुनील प्रजापति, आंचल, प्रिंसी सहित बड़ी संख्या में लोग महिलाएं और बच्चे मौजूद रहे।

## सीता हरण का मार्मिक दृश्य देख भावुक हुए दर्शक

नैनी, प्रयागराज। अवन्तिका रामलीला कमेटी द्वारा पीडीए कॉलोनी स्थित रामलीला पार्क में सीताहरण लीला का सजीव मनोहारी मंचन किया गया। प्रभु श्रीराम, सीता और लक्ष्मण के साथ वन में अपनी कुटिया में बैठे हैं तभी सूपनखा सुंदर स्त्री का रूप बनाकर राम और लक्ष्मण से बारी बारी से विवाह का प्रस्ताव

रखती है जिसके बाद लक्ष्मण जी उसकी नाक काट देते हैं। सूपनखा के अपमान का बदला लेने खर, दूषण आते हैं जो युद्ध में मारे जाते हैं। सूपनखा अपने भाई रावण के पास जाकर पूरी घटना बताती है जिसके बाद रावण अपनी मुक्ति के लिए भगवान राम से दुश्मनी मोल लेता है और मामा मारीच को स्वर्णमृग बनाकर साधु वेश में धोखे से सीता का हरण कर लेता है।


**उत्तर मध्य रेलवे**

संख्याः एस/सेल/611/ई-नी.का./170758/2026-27 दिनांकः 15.10.2026

**ई-नीलामी कार्यक्रम, सूचना संख्या-08, नवम्बर-2026**

अवगत कराया जाता है कि उत्तर मध्य रेलवे के विभिन्न मण्डलों तथा डिपो में उपलब्ध स्क्रैप का विक्रय ई-नीलामी के माध्यम से सम्पन्न किया जायेगा तथा सभी आयोजक अपने निर्धारित क्षेत्र के स्क्रैप का निस्तारण करेंगे।

रद्दी मदें: पी.वे. व स्क्रैप रेल, कास्ट आयरन स्क्रैप, कन्डम रोलिंग स्टाक, नॉन फेरस एवं नॉन मेटालिक स्क्रैप, टर्निंग और बोरिंग, कन्डम आयरन/स्टील ड्रम्स, कन्डम मशीनरी एवं प्लान्ट, कन्डम व्हीकिल्स, कन्डम आफिस इक्विपमेंट्स, काउन्ट्री स्क्रैप रिलीज ओवर हेड एम.एस./जी.आई. टैंक्स, ट्रेन लाइटिंग पंखों का रिलीज्ड फेरस स्क्रैप, रिलीज्ड एम.एस./जी.आई. पाइप लाइन, काउन्ट्री स्क्रैप वर्कशाप एम.एस. स्क्रैप और अन्य एम.एस. स्क्रैप मदें।

| क्रमांक | ई-नीलामी की तिथि व दिन | | डिपो/मण्डल | नीलामी के आयोजक | माध्यम |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | 05.11.2026 | गुरुवार | स.भ.डिपो/झाँसी | उप मु.सा.प्र./प्रणाली/झाँसी | www.ireps.gov.in वेबसाइट द्वारा |
| 2. | 13.11.2026 | शुक्रवार | | | |
| 3. | 20.11.2026 | शुक्रवार | | | |
| 4. | 27.11.2026 | शुक्रवार | | | |
| 5. | 06.11.2026 | शुक्रवार | स.भ.डिपो/कानपुर | उप मु.सा.प्र./जी.एस.डी./कानपुर | |
| 6. | 18.11.2026 | बुधवार | | | |
| 7. | 26.11.2026 | गुरुवार | | | |
| 8. | 04.11.2026 | बुधवार | प्रयागराज मण्डल | व.म.सा.प्र./उ.म.रे./प्रयागराज | |
| 9. | 17.11.2026 | मंगलवार | | | |
| 10. | 23.11.2026 | सोमवार | | | |
| 11. | 30.11.2026 | सोमवार | | | |
| 12. | 03.11.2026 | मंगलवार | झाँसी मण्डल | व.म.सा.प्र./उ.म.रे./झाँसी | |
| 13. | 13.11.2026 | शुक्रवार | | | |
| 14. | 18.11.2026 | बुधवार | | | |
| 15. | 25.11.2026 | बुधवार | | | |
| 16. | 05.11.2026 | गुरुवार | आगरा मण्डल | व.म.सा.प्र./उ.म.रे./आगरा | |
| 17. | 12.11.2026 | गुरुवार | | | |
| 18. | 19.11.2026 | गुरुवार | | | |
| 19. | 26.11.2026 | गुरुवार | | | |

विशेष शर्तें: (1) सभी प्रकार की रद्दी मदों की नीलामियाँ ई-नीलामी के माध्यम से 'www.ireps.gov.in' वेबसाइट द्वारा सम्पन्न की जायेंगी। यदि उसी दिन निर्धारित कैलेण्डर दिवस में नीलामी पूर्ण नहीं हो पाती है तो नीलामी अगले कैलेण्डर दिवस में भी जारी रहेगी। (2) ई-नीलामी द्वारा जो लाट बेचे नहीं जा सके, उन्हें डिपो द्वारा अगले ई-नीलामी में सम्मिलित किया जाएगा। (3) इच्छुक खरीददार स्टॉक किये गये सामग्रियों के लाटों का निरीक्षण नीलामी से पहले कार्य दिवसों में नामित स्थल पर कर सकते हैं। (4) यदि बिक्री की गई सामग्री की कीमत 5 लाख रूपयों से अधिक है तो ऐसी स्थिति में क्रेता को जीएसटी विभाग में पंजीकृत होना आवश्यक है। (5) नीलामी से सम्बन्धित और अधिक जानकारी के लिए (जैसे विस्तृत नीलामी की गई मदों की अन्तिम बिक्री दर तथा अन्य सभी विवरण) कृपया हमारे वेबसाइट 'www.ncr.indianrailways.gov.in' पर देखें। (6) ई-नीलामी से सम्बन्धित और अधिक जानकारी 'www.ireps.gov.in' वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

2357/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

## सम्पादकीय.......

# एसआईआर पर गृहमंत्री का जवाब

मतदाता सूची के विशेष गहनपुनरीक्षण यानी एसआईआर को वापस लेने, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को उनके पद से हटाने और वोट चोरी के खिलाफ इस समय देश में जबरदस्त आंदोलन चल रहा है। सोमवार शाम राहुल गांधी के नेतृत्व में जिस तरह इंडिया ब्लॉक के तमाम नेताओं, कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठनों और छात्र संगठनों के लोगों ने सुप्रीम कोर्ट तक मार्च किया और इसमें कम से कम दो–ढाई लाख लोग जुट गए, उससे अब भाजपा का डर सतह पर आ गया है। वैसे तो एसआईआर के खिलाफ लगातार ही हल्ला बोल हो रहा है, मगर 2 अक्टूबर से संगठित तौर पर आंदोलन शुरु हो चुका है। पहले कॉकरोच जनता पार्टी, सिविल सोसायटी और कांग्रेस अलग–अलग मोर्चा खोले हुए थे, लेकिन राहुल गांधी ने बता दिया कि इस लड़ाई में सब एकजुट हैं, क्योंकि सबके उद्देश्य एक ही हैं। इसके बाद भले कांग्रेस से अंतर दिखाने वाले छिटपुट बयान आते रहें, लेकिन व्यापक तौर पर जनता ने मान लिया है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में ही यह लड़ाई लड़ी जा रही है। मंगलवार को इस आंदोलन से जुड़े तमाम लोगों को चाय पर बुलाकर और फिर सबके साथ प्रेस कांफ्रेंस कर राहुल गांधी ने इस बात को और स्पष्ट कर दिया कि लोकतंत्र बचाने की इस लड़ाई में सब साथ हैं। इसके बाद बुधावार सुबह जब अभिजित दिपके के साथियों आशुतोष रांका और सौरव दास को जंतर–मंतर पर तिरंगा फहराने के आरोप में तिहाड़ जेल भेजा गया तब भी राहुल गांधी ने पोस्ट लिख कर बता दिया कि लोकतंत्र बचाने की लड़ाई में सब साथ हैं और जंतर–मंतर पर तिरंगा फहराना कोई अपराध नहीं है। भाजपा इसी दिन की कल्पना से डरती थी जब राहुल गांधी को सर्वमान्य नेता माना जाएगा। उसने कांग्रेस और राहुल गांधी को सबसे अलग–थलग करने की कई कोशिशें कीं। मगर अब उसमें कामयाबी नहीं मिल रही और चुनाव चोरी के खिलाफ आंदोलन में जनता भी जुट गई, तब अमित शाह को खुद मैदान में उतरना पड़ा। 2 अक्टूबर के बाद से भाजपा के कई नेताओं ने इस मुद्दे पर राहुल गांधी को घेरा लेकिन उनकी बातें असर नहीं डाल पाईं। तो अब खुद गृहमंत्री अमित शाह ने एसआईआर और वोट चोरी पर बयान दिया है। सवाल अब भी वही है कि जब आरोप ज्ञानेश कुमार पर लगे तो जवाब अमित शाह क्यों दे रहे हैं। बल्कि उन्हें तो कायदे से वोट चोरी के आरोपों को नकारने के लिए ज्ञानेश कुमार की जगह किसी अन्य को मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर ऐतराज नहीं होना चाहिए, ताकि वे यह साबित कर सकें कि भाजपा जो चुनाव पर चुनाव जीत रही है, वो चुनाव आयोग की गड़बड़ियों से नहीं बल्कि अपने दम पर जीत रही है। लेकिन इसकी जगह अमित शाह ने अपने जवाब में कई और गलतियां कर दीं। अमित शाह ने 2029 में भी भारी बहुमत से चुनाव जीतने का दावा किया और कांग्रेस की बड़ी हार का ऐलान कर दिया। लोकतंत्र में कोई भी नेता चुनाव से तीन साल पहले यह दावा नहीं कर सकता। लेकिन अमित शाह ने किया तो जाहिर हो गया कि वे किस आधार पर ऐसा कर रहे हैं। एसआईआर पर सवाल उठाने वाले तमाम लोग यही पूछ रहे हैं कि बिना किसी ठोस आधार के मतदाताओं के नाम काटे क्यों जा रहे हैं और अचानक जोड़े क्यों जा रहे हैं। किसी भी मतदान केंद्र पर मतदान खत्म होने तक कितने वोट पड़े इसका सही–सही आंकड़ा क्यों नहीं आ पाता है। शाम तक अचानक वोट प्रतिशत बढ़ जाता है और दो–तीन दिन बाद उसमें और ज्यादा इजाफा हो जाता है। एक जगह कितने लोग वोट डालने आए, इसकी सही गिनती करना आखिर कितना कठिन हो सकता है। लेकिन इस पर सवाल उठाने के जवाब में अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी घुसपैठियों को बचाना चाहते हैं। तो क्या जिन 13 करोड़ लोगों को अचानक एसआईआर के जरिए वोटर लिस्ट से बाहर कर दिया गया है, वो सब घुसपैठिए हैं। अगर यही सच है तो फिर अमित शाह गृहमंत्री बन कर क्या कर रहे हैं। देश की सीमाओं को लांघकर 13 करोड़ लोग अगर घुस आए हैं तो यह मोदी सरकार की बड़ी नाकामी है और इसी पर उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। मगर अमित शाह तो बता रहे हैं कि भाजपा का संगठन हर गली–कूचे, दूर–दराज के इलाकों में है और कांग्रेस खेत–खलिहानों, नदी–पहाड़ों सब जगह से गायब है। अमित शाह बता रहे हैं कि गुजरात, बंगाल, उत्तरप्रदेश समेत कई राज्यों में कांग्रेस कई दशकों से हार रही है। एसआईआर पर उठे सवाल को कांग्रेस की हार का हवाला देकर टरकाया नहीं जा सकता। बल्कि राहुल गांधी जिस तरह एक के बाद एक प्रेस कांफ्रेंस कर रहे हैं, अमित शाह चाहें तो राहुल गांधी को अपने ही किसी मंच पर आमंत्रित कर उनसे इस बारे में आमने–सामने सवाल–जवाब कर लें।

# पहला राउंड तो राहुल के नाम रहा

**डॉ. दीपक पाचपोर**

*केंद्र को अब पारदर्शी चुनावी फंडिंग प्रणाली पर काम करना चाहिएसर्वोच्च न्यायालय को बधाई चुनावी बांड रद्द करने के आदेश से लोकतंत्र मजबूत हुआ*

अरविन्द मोहन

जब एक बहुत ही ठोस तार्किक आधार पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य चीफ जस्टिस की तरफ से राहुल गांधी से मिलने से इंकार आ गया तो लगा कि मुख्य चुनाव आयुक्तज्ञानेश कु मार और मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण की गड़बड़ियों के खिलाफ चलाने वाले आंदोलन को झटका लगा। चीफ जस्टिस ने कहा कि हम इसी मामले में कई अर्जियों पर विचार कर रहे हैं इसलिए किसी एक पक्ष से मिलने का मतलब फैसले पर उसकी छाया आने देना होगा। अगर आपको कोई शिकायत है तो आप भी याचिका के माध्यम से आइए हम उस पर सुनवाई करेंगे। बाकी देश ने इस राय को सही माना लेकिन केरल कांग्रेस ने झट से मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ ही पोस्ट किया पर उसे जल्दी हटाया गया और कांग्रेस ने तुरंत नई याचिका बनाई जिसमें ज्ञानेश कुमार को हटाने की असंभव मांग भी है। सबको मालूम है कि यह काम सुप्रीम कोर्ट के अधिाकार क्षेत्र से बाहर है। लेकिन उसे दाखिल करने के बहाने उसने इंडिया गठबंधन का प्रभावशाली रोड शो जरूर तैयार कर लिया और पहली बार ग्यारह दलों के नेता साथ दिखाई दिए। यह मामला वैसे भी लीगल लड़ाई से ज्यादा राजनैतिक लड़ाई का बन चुका है और कांग्रेस के इस दांव से लगा कि पहले दौर में उसकी बढ़त हो गई। कांग्रेस ने आगे के लिए भी लंबा चौड़ा कार्यक्रम दिया है। भविष्यवाणी से बचना चाहिए लेकिन हमने देखा है कि ऐसा कार्यक्रम चलाना अब उसके संगठन के वश में नहीं रहता। राहुल कुछ कर जाते हैं और कांग्रेसी दम साध लेते हैं। पर इसी दौरान कानूनी लड़ाई के नतीजे भी आएंगे। कांग्रेस और कॉकरोच जनता पार्टी नए राउंड दो की भी घोषणा कर रखी है। मौजूदा दौर में जिस तरह ज्ञानेश कुमार ने सैकड़ों सांसदों के साथ ज्ञापन देने आए विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मिलने से इन्कार किया उससे भी आंदोलन को बल मिला और आंदोलन पूरी शृंखला में आएगा यह उम्मीद भी नहीं थी। चुनाव आयोग के बाद राजघाट जाने का कार्यक्रम भी एक सरप्राइज था और सफल माना जा सकता है। विपक्षी इंडिया गठबंधन की तरफ से इस मामले में राष्ट्रपति को शिकायत करने वाला दांव भी खास प्रभावी नहीं हुआ क्योंकि राष्ट्रपति ने बहुत ही आराम से मिलने का समय दिया, ज्ञापन रखा। उससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन वाले दिन जरूर चार पूर्व मुख्यमंत्रियों समेत सात हजार से ज्यादा लोगों की गिरफ्घ्तारी और दिल्ली को छावनी में बदलने के बावजूद आंदोलनकारियों के हौसले ने सरकार को ही बैकफुट पर ला दिया था। लेकिन उसके नेताओं की सशर्त रिहाई की सच्चीध्झूठी चर्चा ने हवा बिगाड़ी। मध्य दिल्ली को युद्ध क्षेत्र बनाने की लड़ाई के इस पहले दौर ने कई बातें स्पष्ट कीं। पहली तो यही कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण पर नरम पड़ने के बावजूद न तो ज्ञानेश कुमार बदलने को तैयार हैं न सरकार उनका साथ छोड़ने जा रही है। और इसके लिए उसने दिल्ली को छावनी में बदलने से लेकर इटारसी तक से गिरफ्तारियां करने और ट्रेन, मेट्रो, बस बंद करने, दफ्तर दुकान बंद कराने तक से परहेज नहीं है। उसे उस जेन जी के खिलाफ जाने की भी खास परवाह नहीं है जिसे हाल तक प्रधानमंत्री और संघ प्रमुख भी बहलाने–फुसलाने में लगे थे। मामला सिर्फ कानूनी तरीकों से शांतिपूर्ण विरोध को रोकने का नहीं था। इस बार तो अदालती आदेश के बावजूद मेट्रो बंदी समेत अनेक काम हुए। दूसरी तरफ जुलाई वाली जंतर–मंतर की हिंसा के बाद भी अपराधियों और पुलिस की वर्दी में गुंडे उतारने का खेल बंद नहीं हुआ जिसको लेकर दुनिया भर में थू थू हुई। इस बार ऐसे गुंडों और पुलिस ने पत्रकारों, खासकर यूट्यूबरों को भी निशाना बनाया और भाजपा के प्रवक्ता दिन भर कुर्ता बंडी चढ़ाए रेडी रहे और टीवी चौनलों पर उनका प्रसारण जारी रहा। हां, जिम्मेदार बड़े नेता जरूर मीडिया में आने से बचते रहे। दिल्ली को छावनी में बदलने और शांतिपूर्ण आंदोलनकारियों के खिलाफ गैर जरूरी सख्ती ने आम लोगों को भी भाजपा से नाराज किया। अब इस आंदोलन के राजनैतिक रंग लेने और एक दौर में विपक्ष के बढ़त बढ़ाने के कई मतलब है। राहुल–प्रियंका फोकस में रहे और बहुत योजना से बनाए गए। लेकिन इन आंदोलन ने इंडिया गठबंधन को एकजुट कर दिया। इसमें आईसा की आमद मजबूती वाला पक्ष बनी। इसमें ममता बनर्जी की सक्रियता एक नई चीज है। दूसरे यह भी हुआ कि बीजू जनता दल और द्रमुक कांग्रेस से नाराजगी के बावजूद एनडीए में जाने से बचे ही नहीं बीजद तो आंदोलन में शामिल भी हुआ। आंदोलन की एक स्वतंत्र धारा कॉकरोच जनता पार्टी की रही जिसने अपनी ताकत पहले दिखाई है और इस बार भी दस तारीख के उसके काल पर ही ज्यादा हंगामा हुआ। इसमें कांग्रेस ने हिस्सा नहीं लिया तब भी यह दमदार रहा और इसमें अरविन्द केजरीवाल के आप पार्टी सहित वाम दलों ने खुलकर भागीदारी की। कहना न होगा कि इस धारा के किए–धरे का राजनैतिक और चुनावी लाभ कांग्रेस को ही होगा और अगर भाजपा होशियारी से काम लेती तो चुनाव आयोग की गलतियों से निपटने के साथ इस तरह के राजनैतिक विभाजन का लाभ लेने की कोशिश करती। हुआ यह कि चिराग पासवान सहित एनडीए के कई साथी शांतिपूर्ण आंदोलन के समर्थन में दिखे तो बाकी साथी भी उस तरह ज्ञानेश कुमार के फैसलों के पक्ष में न लगे। ज्ञानेश कुमार रहें या जाएं, यह विशेष पुनरीक्षण अभियान आगे जो रूप ले, राहुल गांधी और विपक्ष की राजनीति जहां तक जाए, इस आंदोलन की सफलता न सिर्फ जरूरी है बल्कि इस मुल्क के लोकतंत्र के लिए संजीवनी बूटी का काम कर रही है।

# भीतर के रावण का वध और सृजन का संकल्प: क्यों जरूरी है आत्ममंथन?

वध न पुतले का करो, तुम अपने अहंकार का करो दहन प्रखर,

सृजन–पथ पर जो चले, उसी के माथे जग का मुकुट अमर!

बाहर खड़े रावण के पुतले के जलने की गूँज और आसमान छूते आतिशबाजी के शोर के बीच हमें ठहरकर यह सोचना होगा कि क्या हमने सचमुच उस बुराई को समाप्त कर दिया है जिसका प्रतीक वह पुतला है? सच तो यह है कि रावण कोई दूर का दुश्मन या पराया दूत नहीं था; वह वेदों का ज्ञाता, प्रकांड विद्वान और अनगिनत गुणों की खान था। लेकिन विडंबना यह है कि अत्यधिक अहंकार और पतनशील प्रवृत्तियों ने उसके सारे सद्गुणों को लील लिया। यह शाश्वत सत्य है कि जहाँ सृजन है, वहाँ शक्ति है; और जहाँ विनाश है, वहाँ पतन है। रावण का पतन इस बात का जीवंत प्रमाण है कि कितनी भी विद्या और शक्ति क्यों न हो, यदि चरित्र और विवेक का ह्रास हो जाए, तो विनाश तय है।

इस दार्शनिक और पौराणिक संदर्भ में रावण का चरित्र एक बेहद जटिल और गहरे आत्ममंथन की माँग करता है। लोक–साहित्य और प्राचीन कथाओं के अनुसार, रावण को त्रिकाल का ज्ञान था और वह यह भली–भांति जानता था कि माता सीता कोई साधारण स्त्री नहीं, बल्कि साक्षात जगत जननी माँ आदिशक्ति का स्वरूप हैं। एक विमर्श यह भी है कि अपनी उच्च चेतना और शाप से मुक्ति की विवशता के कारण वह स्वयं भगवान श्रीराम के हाथों मोक्ष पाना चाहता था। परंतु इसके बावजूद, उसके भीतर के अहंकार, शक्ति के घमंड और अनैतिकता ने उसके सम्पूर्ण व्यक्तित्व को पतन के गर्त में धकेल दिया। यही कारण है कि हर वर्ष कागजी पुतले जलाने से पहले हमें अपने भीतर छिपे उस रावण को पहचानना होगा, जो ज्ञान और गुणों के होते हुए भी अहंकार के कारण हमारे संस्कारों का दहन कर रहा है।

भारतीय जनजीवन में अक्टूबर का महीना केवल शरद ऋतु के आगमन का संकेत नहीं है, बल्कि यह हमारी सात्विक चेतना, सांस्कृतिक उल्लास और सामूहिक ऊर्जा का स्वर्णिम कालखंड है। इन दिनों पूरा देश शक्ति की आराधना के महापर्वकृशारदीय नवरात्रि और विजयादशमी के उल्लास में डूबा हुआ है। गली–मोहल्लों से लेकर महानगरों के भव्य पंडालों तक, घटस्थापना से लेकर माँ दुर्गा की विदाई और रावण दहन तक, यह पूरा परिवेश हमें आत्ममंथन का एक गंभीर अवसर देता है। प्रश्न यह है कि क्या हम इन पर्वों को केवल कैलेंडर की तारीखों और कर्मकांडीय अनुष्ठानों तक सीमित रख रहे हैं, या वर्तमान वैश्वीकृत और चुनौतीपूर्ण परिवेश में इनके गहरे निहितार्थों को अपने जीवन में उतार रहे हैं?

आज का भारत एक ऐसे दौर से गुजर रहा है जहाँ तीव्र आर्थिक प्रगति, डिजिटल क्रांति और वैश्विक साख के साथ–साथ कई प्रकार की आंतरिक व बाह्य चुनौतियाँ भी मुँह बाए खड़ी हैं। ऐसे में, विजयादशमी और नवरात्रि के पर्व हमें यह सिखाते हैं कि श्असुरक्षाश, श्अहंकारश, और श्अनैतिकताश रूपी रावण का वध करने के लिए हमें अपनी सामूहिक चेतना को जाग्रत करना होगा। जब तक समाज से वैचारिक और सामाजिक कुप्रथाओं का रावण समाप्त नहीं होता, तब तक इन आयोजनों का वास्तविक उद्देश्य अधूरा है।

वर्तमान परिवेश का एक और सकारात्मक पहलू हमारी उत्सवधर्मिता की वह नई परिभाषा है, जो अब सिर्फ उपभोग तक सीमित नहीं रही, बल्कि संवेदना से जुड़ रही है। आज देश का युवा और जागरूक वर्ग यह समझ रहा है कि पर्वों का असली आनंद वंचितों और जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाने में है। लोकल फॉर वोकल (स्वबंस वित टवबंस) की गूँज ने हमारे पारंपरिक कारीगरों, कुम्हारों और हस्तशिल्पियों के जीवन में जो नई रोशनी भरी है, वह आर्थिक स्वावलंबन का एक बेहतरीन उदाहरण है। जब त्योहारों के उल्लास में समाज का हर अंतिम व्यक्ति शामिल होता है, तब सामाजिक समरसता की असल नींव मजबूत होती है।

इसके साथ ही, स्त्री–शक्ति की उपासना का यह पर्व हमें लैंगिक समानता और महिलाओं की सुरक्षा के प्रति एक बार फिर कड़े आत्ममंथन की माँग करता है। हम एक तरफ शक्ति के रूप में देवियों की पूजा करते हैं, वहीं दूसरी तरफ समाज में महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराध चिंता का विषय बने रहते हैं। विजयादशमी का संदेश स्पष्ट हैकृअन्याय और असत्य के खिलाफ त्वरित और कठोर प्रहार। नारी गरिमा की रक्षा और उसका सम्मान ही इस पर्व की सबसे बड़ी सार्थकता है।

अंततः, यह पर्व हमें आशा, विश्वास और पुरुषार्थ का संदेश देता है। जीवन का अंतिम और शाश्वत सत्य वही है जो इस यात्रा के आरंभ में निहित हैकृ यदि आप अपने सद्गुणों, ज्ञान और विवेक से समाज में सृजन और विकास का मार्ग चुनते हैं, तो आपका उत्थान निश्चित है। लेकिन इसके विपरीत, यदि आप अपने उच्च गुणों के रहते हुए भी अहंकार, विध्वंस (क्पेजतनबजपवद) और दूसरों को नुकसान पहुँचाने का मार्ग चुनते हैं, तो आपका पतन भी उतना ही निश्चित है। अब निर्णय पूरी तरह से हम पर है कि हम अपने भीतर के राम को अपनाकर सृजन का पथ चुनते हैं या रावण जैसी वृत्तियों के साथ पतन के गर्त में जाते हैं। आइए, इस विजयादशमी पर हम केवल रावण के पुतले के जलने का गवाह न बनें, बल्कि अपने भीतर की बुराइयों और जड़ता को त्यागकर एक नए, सशक्त, संवेदनशील और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी सहभागिता का संकल्प लें। यही इन पावन पर्वों को हमारी सच्ची सनातनी भेंट होगी।

डॉ संगीता मनीष बनाफर
प्रदेश अध्यक्ष विश्व हिंदी परिषद नई दिल्ली भारत छत्तीसगढ़ बिलासपुर जिला अध्यक्ष शहर समता प्रयागराज मंच

## आज का रावण

सिर्फ कागज़ के पुतलों को जलाकर क्या मिलेगा?
आग देनी हो तो उन पर दो, जो राष्ट्र को जला रहे हैं!
रावण अब केवल त्रेता का कोई भूला–बिसरा नाम नहीं,
पुरुष ही नहीं, आज कई स्त्रियाँ भी इसका पर्याय बन चुकी हैं

जो विश्वास के मंदिरों में धोखे के खंजर उतारती हैं,
रिश्तों की पवित्रता को रौंदकर, अपनों को ही टैंक में धकेल देती हैं!
न्याय की आँखों पर जो नोटों की पट्टी बाँधते हैं,
मुकदमों की जीत–हार से किसी का पूरा वजूद मिटाते हैं।
तिजोरी के अहंकार में जो दूसरों की जिंदगी से खेलते हैं,
वे सब आज की इस बस्तियों के नए श्लंकापतिश हैं!
दोष किसी एक पुतले का नहीं, न किसी एक चेहरे का है,
दोष उस हर मानसिकता और हर इंसान का है
जिसके लालच और पाखंड के काले अंधकार से,
हमारा यह पूरा महान राष्ट्र पतन की ओर जा रहा है!
इसलिए, बाह्य आडंबरों और मेलों के शोर से ऊपर उठो,
हर उस शख्स और विकृति का भीतर से दहन करो,
तभी इस देश की माटी में सच्चा 'रामराज्य' लौटेगा,
वरना यह हर साल जलता पुतला सिर्फ एक तमाशा बनकर रह जाएगा!

डॉ संगीता मनीष बनाफर
प्रदेश अध्यक्ष विश्व हिंदी परिषद नई दिल्ली भारत छत्तीसगढ़

# राहुल गांधी का सच, जिससे भाजपा हार गई

सर्वमित्रा सुरजन

राहुल गांधी को जब भाजपा किसी तरह हरा नहीं पाती है, तो आखिर में उनके चरित्र हनन पर उतर आती है। यहां हराने से मतलब चुनाव में हराना नहीं है। बल्कि आशय भारत के लोकतंत्र और संविधान बचाने के उनके संघर्ष में हराने से है। इस संघर्ष में राहुल गांधी पहले लगभग अकेले ही चले थे, तब भट्टा परसौल और नियामगिरी के जंगलों में पूंजीवादी ताकतों के सामने खड़े लोगों का साथ देने का उनका मकसद था। फिर धीरे–धीरे संघर्ष का दायरा बढ़ता चला गया और साथ ही राहुल गांधी के आसपास खड़े होने वाले लोगों का भी। मजरूह सुल्तानपुरी की पंक्तियों को भी मानो असली अर्थ राहुल ने दिया है कि – मैं अकेला ही चला था जानिब–ए–मंजिल मगर, लोग साथ आते गए और कारवां बनता गया। पहले कांग्रेस के लोग ही राहुल गांधी के साथ थे, उनमें भी जिन्हें सत्ता का लालच था, वो बहुत जल्द रंग बदलकर दूसरी तरफ चले गए। ऐसे डरपोक लोगों के लिए राहुल गांधी ने खुद ही दरवाजे खोल दिए थे कि जिन्हें भी भाजपा में जाना हो, वो चला जाए, हमें ऐसे लोगों की जरूरत नहीं। हमें तो बहादुर, निडर लोग चाहिए। कांग्रेस में अब भी कुछ लोग बचे हैं जो इधर से उधर होने की फिराक में रहते हैं, लेकिन अब राहुल गांधी ने कांग्रेस का दायरा इतना बड़ा कर दिया है कि उनके प्रतिद्वंद्वी भी साथ आने लगे हैं। भारत जोड़ो यात्रा के वक्त राहुल गांधी ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा था कि उन्होंने श्राहुल गांधी को सालों पहले पीछे छोड़ दिया है। नवंबर 2022 में दिए गए इस बयान में उनका कहना था कि पुराने राहुल गांधी (जो मीडिया या राजनीतिक आलोचनाओं से प्रभावित होते थे) को वे पीछे छोड़कर वे एक नए रूप में जनता से जुड़ रहे हैं। सत्ता के अहंकार में डूबी भारतीय जनता पार्टी ने तब न केवल भारत जोड़ो यात्रा के असर को नजरंदाज किया, बल्कि अपनी पुरानी रणनीति को ही कारगर मानते हुए उसी पर पैसे फूंकती रही। भाजपा की नजर में किसी भी राजनेता की सफलता उसकी चुनावी जीत से ही तय होती है। लेकिन जब पूरे संसाधन और संस्थानों पर कब्जा कर एकतरफा चुनाव कराए जा रहे हों, निष्पक्षता और पारदर्शिता को पूरी तरह खत्म कर दिया गया हो, तब जीत भी एकतरफा ही होती है, यह इस समय देश देख रहा है। तो भारत जोड़ो यात्रा को इसलिए खारिज नहीं किया जा सकता कि उसके बाद भी कांग्रेस की सरकार नहीं बन पाई। बल्कि उसके बाद भाजपा को बहुमत नहीं मिला, यह तथ्य याद रखा जाना चाहिए। इसमें नीतीश कुमार जैसे लोगों को कैसे भाजपा ने अपनी तरफ मिलाया, ऐसी कई कहानियां भी भाजपा की जीत के साथ जुड़ी हुई हैं। बहरहाल, भारत जोड़ो यात्रा ने राहुल गांधी की असली पहचान जनता से करवा दी। जनता ने देखा कि जिस शख्स को भाजपा ने पप्पू कहकर मूर्ख बताने का प्रचार किया, वह तो असल में भारत की असली संस्कृति, उदार इतिहास और समावेशी ताने–बाने को अच्छे से समझता है। जिस शख्स को भाजपा ने युवराज, शाहजादा, राहुल बाबा, जर्सी गाय का बछड़ा आदि अपशब्द कहे, वह तो साधारण कपड़ों में पैदल पूरे देश में बिना किसी तामझाम के चल पड़ा। रात को कहीं भी सोना, किसी के भी साथ खाना खाना, चाय पीना, कहीं कोई दिखावा ही नहीं है। फकीरी अगर किसी को कहते हैं तो वह सही मायने में राहुल गांधी ने ही दिखाई। जिस शख्स को भाजपा ने उसके परिवार के नाम पर बार–बार अपमानित किया। उस परिवार ने तो दो–दो शहादतें दीं और खुद राहुल गांधी ने कहा कि मेरी सफेद टी शर्ट लाल हो जाएगी, इससे ज्यादा और क्या होगा। यानी उनमें अपनी जान बचाने को लेकर कहीं कोई डर ही नहीं है। राहुल गांधी की राजनैतिक समझ पर भी भाजपा ने बहुत सवाल उठाए। अब भी उठा ही रही है और उनके कार्यक्रमों को खारिज करने के लिए रटी–रटाई बात कहती है कि कांग्रेस अपने युवराज को लॉन्च कर रही है, यानी उन्हें राजनीति में जगह दिलाने की कोशिश कर रही है। मगर राहुल गांधी 2004 से लगातार सांसद हैं, और समूचे विपक्ष ने लोकसभा में उन्हें अपना नेता बनाया है, तो यह कम से कम लॉन्चिंग नहीं कहलाएगी।

हां, जय शाह को बिना किसी अनुभव के सीधे बीसीसीआई की कमान सौंप देना जरूर लॉन्चिंग थी। बहरहाल, राहुल गांधी की राजनैतिक समझ ऐसी है कि नोटबंदी, जीएसटी, लॉकडाउन, कोरोना वैक्सीन, शेयर मार्केट के उतार–चढ़ाव, रूपए की गिरती कीमत, अमेरिका के सामने समर्पण और अब वोट चोरी, जब जो उन्होंने कहा, वही कुछ समय बाद सच हो गया। यह सब किसी ज्योतिषी की तरह भविष्यवाणी करने का काम नहीं था, हिंदुस्तान में घूम–घूमकर, लोगों की नब्ज टटोलकर देश को समझने का काम था। राहुल गांधी की स्वीकार्यता इसीलिए बढ़ती जा रही है। इंडिया ब्लॉक के साथ–साथ अब सिविल सोसायटी से जुड़े वे लोग जो कभी राहुल गांधी की राजनीति और रणनीति पर संदेह जताते थे, उन्हें भी अब मानना पड़ रहा है कि राहुल गांधी ने भाजपा, संघ, अडानी–अंबानी आदि के आपसी संबंधों और इन सबको लेकर देश पर कब्जा करने की कोशिश के बारे में जो भी कहा है, वो सही है। इस समय ज्ञानेश कुमार और एसआईआर के जरिए वोट चोरी के खिलाफ खड़े हुए आंदोलन की अगुवाई भी राहुल गांधी ही कर रहे हैं। सोमवार को उनके एक आह्वान पर लाखों लोग सुप्रीम कोर्ट की तरफ मार्च करने के लिए जुट गए। भाजपा के लिए यह सब अप्रत्याशित था। क्योंकि उसने मान लिया था कि उसके दुष्प्रचार तंत्र का असर अब भी होगा और लोग वोट चोरी के आरोपों पर राहुल गांधी के साथ नहीं आएंगे। लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं हुआ और भाजपा को इससे बड़ा झटका लगा। लिहाजा वह फिर अपने उसी पैंतरे पर उतर आई कि राहुल गांधी को बदनाम करो। इस बार उसने एक महिला पत्रकार के जरिए यह काम करने की कोशिश की। राहुल गांधी पर न्यूज चौनल वनइंडिया की पत्रकार ऋचा पाराशर ने आरोप लगाया कि जब सुप्रीम कोर्ट के भीतर राहुल गांधी पहुंचे तो उन्होंने उन्हें धक्का मारकर नीचे गिराया। ऋचा पाराशर ने यह भी बताया कि वह गर्भवती हैं और गिरने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ी। बहरहाल, अच्छी बात यह है कि अब ऋचा पाराशर बिल्कुल स्वस्थ हैं, उनकी पूरी जांच सर गंगाराम अस्पताल में हुई है और डॉक्टरों का कहना है कि उन्हें और उनके भ्रूण में पल रहे बच्चे को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। दोनों स्वस्थ हैं। अब आते हैं ऋचा पाराशर के आरोपों पर कि राहुल गांधी ने उन्हें धक्का दिया।

# जान्हवी कपूर, श्रीलीला और सिद्धार्थ गुप्ता की थ्रिलर फिल्म की शूटिंग शुरू, नैनीताल में जुटी टीम

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर एक बार फिर नए प्रोजेक्ट के साथ दर्शकों के सामने आने की तैयारी में हैं। इस बार वह साउथ की अभिनेत्री श्रीलीला और एक्टर सिद्धार्थ गुप्ता के साथ एक अनटाइटल्ड फिल्म में नजर आएंगी। उमेश बिष्ट के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को लेकर ताजा अपडेट सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के पहले शूटिंग शेड्यूल की शुरुआत नैनीताल में हो गई है। इस नए प्रोजेक्ट में रोमांस और सस्पेंस का दिलचस्प मेल देखने को मिल सकता है। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र के अनुसार, टीम ने नैनीताल में पहले शेड्यूल की शूटिंग शुरू कर दी है। तीनों कलाकारों के एक साथ आने से इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्सुकता बनी हुई है। फिलहाल, मेकर्स का ध्यान कहानी को पर्दे पर उतारने और शूटिंग को तय योजना के मुताबिक आगे बढ़ाने पर है। हालांकि, फिल्म की शूटिंग से जुड़ी विस्तृत जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फिल्म एक रोमांटिक थ्रिलर होगी। इसकी कहानी में दो महिलाएं एक ही शख्स से प्यार करने लगती हैं, जिसके बाद रिश्तों के बीच कई दिलचस्प मोड़ देखने को मिल सकते हैं। फिल्म में प्यार, भावनाओं और रिश्तों की उलझनों को सस्पेंस के साथ पेश किए जाने की उम्मीद है। इसे एकता कपूर और गुनीत मोंगा कपूर मिलकर प्रोड्यूस कर रही हैं। फिलहाल, कहानी के बाकी पहलुओं और किरदारों को लेकर मेकर्स ने चुप्पी बनाए रखी है। इस फिल्म में जान्हवी कपूर, श्रीलीला और सिद्धार्थ गुप्ता पहली बार एक साथ किस तरह की केमिस्ट्री पेश करेंगे, यह देखना दिलचस्प होगा। जान्हवी कपूर 'होमबाउंड', 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' और 'पेड्डी' जैसे प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में रही हैं। वहीं, श्रीलीला ने 'धमाका' और 'गुंटूर कारम' जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बनाई है। फिल्म 'पुष्पा 2 द रूल' के गाने 'किसिक' में भी उनके अंदाज ने दर्शकों का ध्यान खींचा था। दूसरी ओर, सिद्धार्थ गुप्ता ने 'कृष्णावतारम् पार्ट 1 द हार्ट' में भगवान कृष्ण की भूमिका निभाकर सुर्खियां बटोरीं। अब इन तीनों कलाकारों का रोमांटिक थ्रिलर में साथ आना फिल्म को लेकर दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ा सकता है। फिल्म का निर्देशन उमेश बिष्ट कर रहे हैं, जो इससे पहले 'पगलैट', 'द ट्रायल' सीजन 2, 'ग्यारह ग्यारह' और 'कौन? हू डिड इट?' जैसे प्रोजेक्ट्स से जुड़े रहे हैं। उनके निर्देशन में बन रही इस फिल्म के टाइटल, कलाकारों के किरदारों और अन्य कास्ट से जुड़ी जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। फिलहाल फिल्म की शूटिंग नैनीताल में जारी है। जान्हवी कपूर, श्रीलीला और सिद्धार्थ गुप्ता की तिकड़ी के साथ यह प्रोजेक्ट किस तरह की कहानी लेकर आएगा, इस पर दर्शकों की नजर रहेगी।

# महेश भट्ट की 'नाम टू लिव इज वॉर' में वीर पहाड़िया-वरुण शर्मा के साथ दिखेंगे प्रशांत नारायणन

बॉलीवुड के दिग्गज फिल्ममेकर महेश भट्ट अपनी आगामी फिल्म 'नामरू टू लिव इज वॉर' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वीर पहाड़िया और वरुण शर्मा मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। वहीं, प्रशांत नारायणन, शेफाली बग्गा और विजयंत कोहली भी अहम किरदार निभाते दिखाई देंगे। फिल्म की कास्ट में अलग–अलग अभिनय क्षमताओं वाले कलाकारों को शामिल किया गया है। महेश भट्ट का मानना है कि किसी भी फिल्म की कहानी को प्रभावशाली बनाने में कास्टिंग की अहम भूमिका होती है। 'नाम टू लिव इज वॉर' के कलाकारों के बारे में बात करते हुए उन्होंने प्रशांत नारायणन के अभिनय की तारीफ की। महेश भट्ट ने कहा कि प्रशांत के अभिनय में सहज तीव्रता और दृढ़ता नजर आती है, जो उनके किरदारों को यादगार बनाती है। उन्होंने फिल्म 'मर्डर 2' में प्रशांत के साथ काम करने का अनुभव भी साझा किया और उनके अभिनय की ईमानदारी की सराहना की। महेश भट्ट ने शेफाली बग्गा को फिल्म की कास्ट में एक खास जुड़ाव बताया। उन्होंने कहा कि शेफाली अपनी अलग पहचान और स्क्रीन प्रेजेंस लेकर आती हैं। उनके मुताबिक, कई किरदारों और उनकी अलग–अलग परतों वाली कहानी में कलाकारों की विविधता बेहद महत्वपूर्ण होती है। फिल्म में विजयंत कोहली भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। 'नाम टू लिव इज वॉर' का निर्माण ऋद्धि चावड़ा और उत्सव उपाध्याय ने उत्सव एंटरटेनमेंट एंड प्रोडक्शंस के बैनर तले किया है। फिल्म का निर्देशन सिद्धांत सचदेव कर रहे हैं, जबकि अल्फानेऑन स्टूडियोज इसके स्टूडियो पार्टनर के रूप में जुड़ा है। फिल्म को लेकर निर्माता ऋद्धि चावड़ा और उत्सव उपाध्याय ने कहा कि महेश भट्ट जैसे अनुभवी फिल्ममेकर के साथ काम करना शानदार अनुभव है। उन्होंने बताया कि फिल्म के लिए ऐसे कलाकारों को चुना गया है, जो अपने किरदारों को सिर्फ निभाने के बजाय उन्हें पूरी तरह जी सकें। निर्माताओं को उम्मीद है कि कलाकारों की यह टीम पर्दे पर बेहतरीन तालमेल पेश करेगी। एक मजबूत पटकथा, विविध प्रतिभाओं से सजे कलाकारों और महेश भट्ट के रचनात्मक मार्गदर्शन के साथ 'नामरू टू लिव इज वॉर' दर्शकों के सामने एक किरदार–केंद्रित सिनेमाई अनुभव पेश करने की तैयारी में है। हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट को लेकर अभी जानकारी साझा नहीं की गई है।

# प्राइम वीडियो की 'चार यार' का ट्रेलर रिलीज, क्राइम और दोस्ती के जाल में फंसे चार दोस्त

प्राइम वीडियो की अपकमिंग हिंदी ओरिजिनल सीरीज 'चार यार' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। शुरुआती 2000 के दशक की मुंबई पर आधारित यह क्राइम ड्रामा चार दोस्तों की कहानी दिखाता है, जिनकी जिंदगी एक गलत फैसले के बाद अपराध की दुनिया में उलझ जाती है। सीरीज में दोस्ती, महत्वाकांक्षा, ह्यूमर, हाई–स्पीड कार चेज और खतरनाक लूटपाट देखने को मिलेगी।'चार यार' में पूरव झा, नमन जैन, साकिब अयूब और प्रयाग मेहता मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। कहानी जीत, टोनी, साहिल और समीर नाम के चार दोस्तों के इर्द–गिर्द घूमती है, जो अपनी मिडिल क्लास जिंदगी से आगे बढ़कर कुछ बड़ा हासिल करना चाहते हैं। हालांकि, मुश्किल हालात में लिया गया एक फैसला उन्हें मुंबई के अंडरवर्ल्ड और अपराध की खतरनाक दुनिया में पहुंचा देता है। हालात तब और बिगड़ जाते हैं, जब चारों दोस्त अंडरवर्ल्ड डॉन और इंस्पेक्टर सुमित भालेराव के बीच फंस जाते हैं। उनके प्लान लगातार नाकाम होने लगते हैं और उन्हें अपनी जान बचाने के लिए कई खतरनाक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में उनकी दोस्ती और समझदारी की असली परीक्षा होगी। सीरीज में पूरव झा, नमन जैन, साकिब अयूब और प्रयाग मेहता के अलावा साई ताम्हणकर, सिकंदर खेर, दिव्येंदु भट्टाचार्य, राजेश तैलंग, चंकी पांडे और भगवती पेरुमल भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। आठ एपिसोड की इस सीरीज का निर्देशन विनय वैकुल ने किया है, जबकि संबित मिश्रा और सौरभ सावंत ने इसकी कहानी लिखी है। इसे पिंक विंडो प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले प्रणति नागरशेठ, नीरज नागरशेठ और पी.एस. श्याम ने प्रोड्यूस किया है। वहीं, बीबीसी स्टूडियोज इंडिया ने इसे डेवलप किया है। सीरीज के क्रिएटर और डायरेक्टर विनय वैकुल ने कहा कि 'चार यार' के जरिए जिंदगी की अनिश्चितता और अनजाने हालात में फंसने के रोमांच को दिखाने की कोशिश की गई है। उनके मुताबिक, चारों दोस्तों की जिंदगी में अचानक कुछ ऐसा होता है कि वे ऐसी मुश्किल में फंस जाते हैं, जिसकी उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी। इस स्थिति से निकलने में उनकी दोस्ती सबसे बड़ी ताकत बनती है। विनय ने यह भी बताया कि चारों मुख्य किरदारों की अलग–अलग पर्सनैलिटी कहानी में कई उतार–चढ़ाव लेकर आती है। सीरीज में क्राइम और एक्शन के साथ दोस्तों के रिश्तों को भी खास जगह दी गई है। प्राइम वीडियो की 'चार यार' का प्रीमियर 23 अक्टूबर 2026 को होगा। यह सीरीज भारत समेत दुनिया के 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में हिंदी में स्ट्रीम की जाएगी। क्राइम, एक्शन और दोस्ती के मेल से बनी यह कहानी दर्शकों को 2000 के दशक की मुंबई की अंडरवर्ल्ड दुनिया में ले जाने वाली है।

# देहरादून की सड़कों पर अक्षय कुमार ने राशि खन्ना के साथ की शूटिंग, वायरल हुआ वीडियो

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह देहरादून की सड़कों पर एक्ट्रेस राशि खन्ना के साथ शूटिंग करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में दोनों की केमिस्ट्री फैंस का ध्यान खींच रही है। वायरल वीडियो में अक्षय कुमार और राशि खन्ना एक–दूसरे का हाथ थामकर देहरादून की सड़कों पर चलते दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान अक्षय फॉर्मल लुक में नजर आए, जबकि राशि खन्ना स्टाइलिश अंदाज में दिखीं। वीडियो में अक्षय के हाथों में कई कैरी बैग्स भी नजर आ रहे हैं। दोनों साथ चलते हुए बातचीत करते दिखाई देते हैं। बताया जा रहा है कि यह फिल्म के एक गाने की शूटिंग है। शूटिंग देखने के लिए मौके पर लोगों की भीड़ भी जमा हो गई। अब इस वीडियो को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा हो रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, अनीस बज्मी के निर्देशन में बन रही इस अनटाइटल फिल्म में अक्षय कुमार और राशि खन्ना के साथ विद्या बालन भी नजर आएंगी। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक फिल्म के नाम का खुलासा नहीं किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के एक खास गाने को बड़े स्तर पर शूट करने की तैयारी है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि अक्षय कुमार 12 अक्टूबर को यूके से लौटे थे और इसके दो दिन बाद देहरादून में शूटिंग के लिए पहुंचे। इस फिल्म के जरिए अक्षय कुमार, विद्या बालन और निर्देशक अनीस बज्मी एक बार फिर साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले तीनों ने साल 2011 में रिलीज हुई कॉमेडी फिल्म 'थैंक यू' में साथ काम किया था।

## अब नहीं टूटेगी कांच की बर्नियां, इस ट्रिक से मिनटों में चमकाएं!

कांच की बर्नियां को धोने में काफी डर भी लगता हैं कहीं टूट न जाए। कई बार तो साफ करते हुए कांच के कंटेनर टूट भी जाते हैं। चाहे आप इसे कितना भी संभाल के क्यों न धोएं। इस समस्या से अब परेशान होने की कोई जरुरत नहीं है। दिवाली का त्योहार नजदीक आ चुका है। ऐसे में महिलाएं किचन की साफ–सफाई में लगी होंगी। किचन में रखी कांच की बर्नियों पर पानी के धब्बे, चाय या दूध के दाग जल्दी चिपक जाते हैं। इसपर मिट्टी भी जमी होती है, जिसकी वजह से बर्नियां उठाने का मन नहीं होता। तो आप इनको इन ट्रिक्स के जरिए झटपट तरीके से क्लीन कर सकते हैं।

कांच की बर्नियों को कैसे धोएं?

– सबसे पहले आप एक टब लीजिए और इसमें गर्म पानी भर दें।

– इसके बाद आप पानी को ऊपर तक भर दें ताकि इसमें सारी बर्नियां आसानी से डूब जाएं।

– अब इसमें डिटर्जेंट पाउडर डालें, इसे अच्छे से घोल लें।

– इसमें आधा नींबू निचोड़ दें। नींबू की एसिडिटी कड़वे दाग और तेल आसानी से हट जाते हैं।

– इन बर्नियों को पानी में कम से कम 10 से 15 मिनट तक डाले रखें। तब तक आप कोई दूसरे काम कर सकती हैं।

– इसके बाद किसी कपड़े या सॉफ्ट ब्रश या स्पंज से बर्नियों को पानी के अंदर हाथ डालकर ही साफ करें।

– अब आप दूसरी बाल्टी या टब में पानी लें, बर्नियों को धीरे–धीरे निकालकर रख दें।

– 2 बार साफ पानी से निकाल कर साफ कर लेंगी, तो यह एकदम साफ हो जाएगा।

– यह लीजिए साफ हो गई झटपट तरीके से कांच की बर्नियां।

## दिवाली की सफाई करते समय इन बातों का रखें ध्यान, नहीं होगी पानी की बर्बादी

फेस्टिवल का सीजन चल रहा है। दिवाली का त्योहार सिर्फ़ रोशनी, उपहारों का आदान–प्रदान और मिठाइयों का आनंद लेने तक ही सीमित नहीं है। क्योंकि यह त्योहार प्रतीकात्मक रूप से हर चीज को नए सिरे से शुरू करने से भी जुड़ा है। परंपरागत रूप से, दिवाली से पहले घरों की सफाई और अव्यवस्था को दूर किया जाता है ताकि समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का स्वागत हो सके। दिवाली पर माता लक्ष्मी को खुश करने के लिए घर के कोने–कोने की सफाई जरुर होती है। हालांकि, सफाई के दौरान लोग पानी का ज्यादा ही इस्तेमाल करते हैं, जिससे पानी की बर्बादी होती है। घर की साफ–सफाई करने के बाद आप इन टिप्स को फॉलो करेंगी तो पानी की बर्बादी नहीं होगी।

पानी से धोने के बजाय पोछने का काम करें

कई महिलाएं अच्छे से सफाई के चक्कर में हर एक चीज की पानी से धोकर साफ करती है। छत, बालकनी जैसे बड़े एरिया को पानी से धोने पर पानी ज्यादा बर्बाद होता है। इसकी जगह आप गीले कपड़े का प्रयोग कर सकते है। अगर आपके घर में कार है तो उसे पानी से नहीं धुले उसे कपड़े से पोछकर साफ कर सकते हैं।

घरेलू नुस्खे बड़े काम के

आप चाहे तो विनेगर, बेकिंग सोडा, नमक और ब्लीच जैसी चीजों से घर की सफाई करती है, ऐसा करने से आपका काम भी आसान हो जाएगा। बता दें कि, ऐसा करने से सफाई भी अच्छे से होती है और साबुन वाला झाग भी नहीं बनता। जिसे छुटाने के लिए पानी ज्यादा यूज होता है।

सोप फ्री क्लीनिंग

जितना हो सके साबुन का इस्तेमाल कम करें। साबुन की सफाई से ज्यादा पानी खर्च होता है। अगर आप साबुन की जगह अल्टरनेटिव यूज करेंगी तो पानी को गैर जरुरी तरीके में खर्च होने से बचा सकते हैं।

सफाई के काम की करें प्लानिंग

जब आप सफाई करें तो पहले प्लान कर लीजिए कि किन जगहों पर सामान को हटाकर खाली करना है, जो सामान पोछने के लायक हो। इन्हें आप गीले कपड़े से साफ करके हटा सकते हैं। इससे एक्स्ट्रा पानी खर्च करने की आपको जरुरत नहीं होगी।

सफाई के दौरान नल ना चलाएं

जब आप क्लीनिंग कर रहे हैं, तो सीधा तौर पर नल ना चलाएं। इसके बजाय बाल्टी में पानी लेकर काम करें। इससे पानी की बचत होगी और माता लक्ष्मी में आपसे नहीं रुठेंगी।

## करवाचौथ पर पहली बार व्रत रखने वाली सुहागिन महिलाएं भूलकर भी न करें ये गलतियां

हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को करवा चौथ का व्रत रखा जाता है। इस दिन सुहागिन महिलाएं पति की लंबी उम्र और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के लिए निर्जला उपवास रखती हैं। वहीं, कई कुंवारी लड़कियां भी मनचाहा जीवनसाथी पाने की कामना से यह व्रत करती हैं। परंपरा के अनुसार, महिलाएं सुबह सूर्योदय से व्रत शुरू करती हैं और शाम को चंद्रमा के दर्शन, अर्घ्य और पूजा के बाद व्रत खोलती हैं। साल 2026 में करवा चौथ का व्रत 29 अक्टूबर, गुरुवार को रखा जाएगा। ऐसे में अगर आप पहली बार करवा चौथ का व्रत रखने जा रही हैं, तो व्रत खोलते समय कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना बेहद महत्वपूर्ण है। आइए जानते हैं कि चंद्रमा को अर्घ्य देने से लेकर व्रत खोलने तक किन बातों का ख्याल रखना चाहिए।

जरुर सुनें कथा

करवाचौथ का व्रत हमेशा निर्जला रखा जाता है। इस व्रत को तब तक अधूरा समझा जाता है कि जब तक महिलाएं करवाचौथ की पूजा करके कथा नहीं सूनती। ऐसे में इस दिन करवाचौथ के दिन कथा जरुर सुनें।

इस समय खाएं सरगी

करवाचौथ वाले दिन महिलाएं सुबह उठकर सरगी भी देती हैं। इस दिन सास अपनी बहु को सरगी देती हैं और बहु व्रत शुरु करने से पहले यह सरगी खाती हैं। सरगी में इस बात का ध्यान रखें कि इसे सूर्योदय से पहले ही खाएं। सूर्योदय के बाद का व्रत निर्जला रखना जरुरी माना जाता है।

मेहंदी और सोलह श्रृंगार

करवाचौथ वाले दिन व्रत के साथ–साथ मेहंदी लगाने और सोलह श्रृंगार करने का भी खास महत्व बताया गया है। इस दिन सुहागिन महिलाएं बिंदी, काजल, चूड़ियां, अंगूठी, मेहंदी, मंगलसूत्र और सिंदूर समेत सभी सोलह श्रृंगार करके अपने पति के लिए सजती हैं।

वाणी पर रखें नियंत्रण

व्रत रखने वाली महिलाओं को अपनी वाणी पर संयम रखना चाहिए। इस दिन बड़े–बुजुर्गों का सम्मान करें। क्योंकि मान्यताओं के अनुसार, व्रत में यदि किसी के भी प्रति असम्मान की भावना रखी जाए या उसे गाली दी जाए तो मनोकामना पूरी नहीं होती।

काले कपड़े न पहनें

आजकल भले ही फैशन का दौर बदल गया है। परंतु पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, करवाचौथ के दिन लाल, गुलाबी, हरा,पीला और संतरी रंग पहनना इस दिन बेहद शुभ माना जाता है। हालांकि इस दिन सफेद और लाल कपड़े पहनना शुभ नहीं माना जाता।

## सर्दियों में इस तरह से करें बच्चे के बालों की केयर, नहीं होगी डैंड्रफ की समस्या

बदलते मौसम का असर बच्चे के स्वास्थ्य के साथ–साथ बालों पर भी पड़ता है। मौसम में नमी होने के कारण बाल खराब होने लगते हैं।

बालों में डैंड्रफ, रुखापन और बेजान जैसी समस्याएं होने लगती है। ऐसे में जरुरी है कि सर्दियों में पेरेंट्स बच्चे की बालों की एक्स्ट्रा केयर करें। आप सर्दियों में बच्चे को बालों को मौसमी नमी से बचाने के लिए इन आसान तरीकों का इस्तेमाल कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में.

...

2 बार जरुर धोएं बच्चे के बाल

बच्चों के बाल बहुत ही जल्दी गंदे होने लगते हैं क्योंकि धूल के कण बच्चे के बालों और स्किन पर चिपकने लगते हैं, जिसके कारण बच्चे के बालों की त्वचा भी खराब होने लगती है। बच्चों को बालों में इंफेक्शन हो सकता है। इंफेक्शन से बालों को बचाने के लिए आप हफ्ते में दो बार बालों क जरुर धोएं। हालांकि रोज भी बच्चे के बाल न धोएं। इससे बाल रुखे और बेजान हो सकते हैं।

न करें ज्यादा केमिकल प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल

बच्चों के बालों में आप किसी भी केमिकल प्रोडक्ट का इस्तेमाल न करें। खासकर जो भी प्रोडक्ट आप बच्चे के बाल में लगाने वाले हैं उसे अच्छे से चेक जरुर कर लें। ज्यादा केमिकल वाले प्रोड्क्ट्स भी बच्चे के बालों को खराब कर सकते हैं। ऑर्गेनिक शैंपू का इस्तेमाल आप बच्चे के बालों में कर सकते हैं। यह शैंपू बालों के लिए हल्के होते हैं और बच्चों को इससे कोई भी समस्या नहीं होती।

खिलाएं पौष्टिक आहार

आप सर्दियों में बच्चे के झड़ते बालों की समस्या को दूर करने के लिए पौष्टिक आहार का सेवन करवाएं। पालक आप बच्चे के दे सकते हैं इसमें पाया जाने वाला आयरन रक्त प्रवाह बढ़ाने में मदद करता है। इसके अलावा आप आंवला भी बच्चे को खिला सकते हैं। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व बालों के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। यदि बच्चे आंवला नहीं खाते तो आप उन्हें कैंडी बनाकर खिला सकते हैं।

जरुर करें मसाज

बच्चे के बालों की मसाज जरुर करें। दिनभर बच्चे बाहर खेलते हैं जिसके कारण उनके स्कैल्प में इंफ्केशन हो सकता है। ऐसे में आप बालों को हेल्दी बनाने के लिए मसाज जरुर करें। बादाम तेल, नारियल तेल और आंवला तेल से आप बच्चों के बालों की मसाज कर सकते हैं।

ट्रिम करवाएं बाल

आप बच्चे का बाल सर्दियों में ट्रिम भी जरुर करवाएं। एक या दो बार बच्चे के बालों को ट्रिम जरुर करवाएं। इससे बालों का वॉल्यूम भी ज्यादा होगा और बाल टूंटेगे भी नहीं। इसके अलावा बच्चों को डैंड्रफ से भी राहत मिलेगी।

## क्रॉप टॉप स्टाइलिंग के 5 ट्रेंडिंग तरीके, भीड़ में भी दिखेंगी सबसे हटके

*ज्यादातर महिलाएं अपने आउटफिट को लेकर काफी परेशान रहती हैं। अगर आप भी उन्हीं महिलाओं में शामिल हैं, जो एक जैसे कपड़े पहनकर बोर हो गई हैं और कुछ यूनिक ट्राई करने का सोच रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है।*

ज्यादातर महिलाएं अपने आउटफिट को लेकर काफी परेशान रहती हैं। क्योंकि वह एक जैसे कपड़े पहनकर बोर हो जाती हैं और कुछ नया ट्राई करने की सोचती हैं। अगर आप भी उन्हीं महिलाओं में शामिल हैं, जो एक जैसे कपड़े पहनकर बोर हो गई हैं और कुछ यूनिक ट्राई करने का सोच रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि कैसे आप क्रॉप टॉप के इस्तेमाल से अपने लुक को डिफरेंट बना सकती हैं।

क्रॉप टॉप के साथ कैरी करें स्कर्ट

अपने लुक को गॉर्जियस बनाने के लिए आप क्रॉप टॉप के साथ स्कर्ट कैरी कर सकती हैं। इस तरह से क्रॉप टॉप के साथ स्कर्ट पहनने से आपको यूनिक और डिफरेंट लुक मिल सकता है। इस आउटफिट के साथ एक्सेसरीज शामिल कर अपने लुक में चार चांद लगा सकती हैं।

क्रॉप टॉप और शॉर्ट्स

आप क्रॉप टॉप के साथ शाट्र्स भी कैरी कर सकती हैं। इस तरह से आपको डिफरेंट और गॉर्जियस लुक मिलेगा। आप इसके साथ श्रग को भी शामिल कर सकती हैं। इस तरह के आउटफिट को आप ऑनलाइन के साथ ऑफलाइन भी खरीद सकती हैं। क्रॉप टॉप और शॉर्ट्स के साथ मैचिंग एक्सेसरीज शामिल कर अपने लुक को एलीगेंट टच दे सकती हैं।

क्रॉप टॉप के साथ कैरी करें स्लिट कट स्कर्ट

अपने लुक को डिफरेंट बनाने के लिए आप क्रॉप टॉप के साथ स्लिट कट स्कर्ट पहन सकती हैं। इस तरह की स्कर्ट आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देगी और इससे आपको यूनिक लुक भी मिलेगा। आप किसी ट्रिप के दौरान भी यह आउटफिट पहन सकती हैं। यह आपके लुक की खूबसूरती बढ़ाने के साथ आपको एलिगेंट टच देने का काम करेगी।

क्रॉप टॉप और जींस

आप अपनी खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए किसी भी क्रॉप टॉप के साथ जींस कैरी कर सकती हैं। ऐसे में आपका लुक खास लगेगा। वहीं आउटफिट को बेहतर बनाने के लिए आप फुटवियर में हील्स या फिर शूज कैरी कर सकती हैं। आप प्लाजो के साथ क्रॉप टॉप भी पहन सकती हैं। इसे आप ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों जगहों से खरीद सकती हैं।

## संक्षिप्त

### शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 113 अंक फिसला, निफ्टी गिरकर 22,967 पर आया

घरेलू शेयर बाजार सेंसेक्स और निफ्टी में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और पिछले कारोबारी सत्र में चार प्रतिशत की तेजी के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में गिरावट से शुरुआती कारोबार में बाजार पर दबाव बढ़ा। हालांकि, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के शेयर में मजबूत लिवाली ने बाजार की गिरावट को काफी हद तक सीमित रखा। बीएसई का 30 शेयर वाला सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 113 अंक की गिरावट के साथ 74,187 अंक पर जबकि एनएसई का 50 शेयर वाला निफ्टी 27.20 अंक टूटकर 22,967.15 अंक पर आ गया। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फिनसर्व, हिंदुस्तान यूनिलीवर, लार्सन एंड टुब्रो, एशियन पेंट्स और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर में सबसे अधिक गिरावट रही। आईटी सेवा कंपनी टेक महिंद्रा के शेयर में पांच प्रतिशत की तेजी आई। कंपनी के वित्त वर्ष 2026–27 की जुलाई–सितंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध मुनाफे में 32.74 प्रतिशत की वृद्धि की जानकारी देने के बाद उसका शेयर चढ़ा। वहीं इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, भारती एयरटेल और टाइटन के शेयर भी बढ़त में रहे। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225, चीन का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं। अमेरिकी बाजार बृहस्पतिवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बृहस्पतिवार को शुद्ध रूप से 5,285.37 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट कच्चा तेल का भाव वायदा कारोबार में 0.61 प्रतिशत फिसलकर 105.3 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। सेंसेक्स बृहस्पतिवार को 1,533.72 अंक यानी 2. 11 प्रतिशत उछलकर और निफ्टी 374.65 अंक यानी 1.66 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ था।

### निर्मला सीतारमण बोलीं, 2047 तक विकसित भारत के लिए स्थानीय निकायों में क्षमता और सुधार जरूरी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने के लिए जमीनी स्तर पर, खासकर नगर निकायों और ग्राम पंचायतों में व्यापक सुधारों की जरूरत है। सीतारमण ने सरकार के सभी स्तरों पर सुधारों की आवश्यकता बताते हुए कहा कि केंद्र सरकार अर्थव्यवस्था को खोलने और वैश्विक पूंजी आकर्षित करने के लिए लगातार कदम उठा रही है। हालांकि, स्थानीय निकायों को भी विकास परियोजनाओं की योजना बनाने और उन्हें लागू करने की अपनी क्षमता बढ़ानी होगी। उन्होंने थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ)–विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों के दौरान 'अटलांटिक काउंसिल' के साथ अलग से बातचीत में कहा, ''हम अपनी व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं में जितना अधिक सुधार करेंगे और आगे बढ़ेंगे, विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ना उतना ही आसान होगा।'' सीतारमण ने कहा कि जारी सुधारों के कारण वैश्विक निवेशक भारत में उपलब्ध अवसरों को पहचान रहे हैं। उन्होंने हाल में आईडीबीआई बैंक में हिस्सेदारी बिक्री का उदाहरण दिया, जिसमें अंतरराष्ट्रीय निवेशकों ने करीब 60 प्रतिशत शेयर हासिल किए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार बाजारों, सूचीबद्ध कंपनियों और सरकारी स्वामित्व वाले उद्यमों में नई पूंजी के निवेश के रास्ते खोलने के लिए सुधार कर रही है। इससे विभिन्न क्षेत्रों में उनके विस्तार और वृद्धि को समर्थन मिल सकता है। मंत्री ने हालांकि कहा कि सुधार केवल केंद्र सरकार तक सीमित नहीं रहने चाहिए। सुशासन बेहतर बनाने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकारों तथा स्थानीय निकायों को भी कदम उठाने होंगे। उन्होंने कहा कि भारत की शासन व्यवस्था तीन स्तरों वाली है। इसमें केंद्र सरकार, राज्य सरकारें और स्थानीय निकाय शामिल हैं। स्थानीय निकायों में शहरी नगरपालिकाएं और ग्राम पंचायतें आती हैं। सीतारमण ने कहा, ''तीसरा स्तर स्थानीय नगरपालिकाओं, कस्बों की नगरपालिकाओं और गांवों का है।'' उन्होंने इस स्तर पर सुधारों को और गति देने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकायों में अक्सर विकास योजनाओं की प्रभावी ढंग से योजना बनाने और उन्हें लागू करने के लिए पर्याप्त क्षमता तथा कौशल की कमी होती है।

### डेलॉयट का आकलनः भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में 7.3 फीसदी तक बढ़ेगी

डेलॉयट इंडिया ने चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था के 7.1 से 7.3 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया है। निजी निवेश में लगातार सुधार से मांग को अतिरिक्त समर्थन मिलने की उम्मीद है। बहुराष्ट्रीय पेशेवर सेवा कंपनी ने कहा कि हालांकि भू–राजनीतिक तनाव, ऊर्जा की कीमतों में उतार–चढ़ाव और व्यापार में व्यवधान आर्थिक वृद्धि की संभावनाओं के लिए जोखिम बने हुए हैं। डेलॉयट इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत की आर्थिक वृद्धि को घरेलू खर्च में मजबूती और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में लगातार निवेश से समर्थन मिला है। कारोबारों को अब बेहतर संपर्क सुविधा, मजबूत वित्तीय स्थिति और उत्पादन क्षमता का अधिक इस्तेमाल करने का लाभ मिल रहा है जिससे विस्तार की संभावना मजबूत हुई है। मजूमदार ने कहा, ''सवाल यह है कि क्या ये परिस्थितियां आने वाले वर्षों में आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने में निजी निवेश की बड़ी भूमिका सुनिश्चित करेंगी। हाल के संकेत उम्मीद जगाते हैं। वित्त वर्ष 2026–27 की पहली तिमाही में सकल स्थिर पूंजी निर्माण 11.9 प्रतिशत बढ़ा, जो चार साल में इसकी सबसे तेज वृद्धि है।'' डेलॉयट के आर्थिक परिदृश्य में वित्त वर्ष 2026–27 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.1 से 7.3 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2027–28 में 6.6 से 7.0 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि निजी निवेश में लगातार सुधार से भारत को मांग का एक अतिरिक्त स्रोत मिलेगा।

# हरमनप्रीत कौर का अनुभव युवाओं के लिए अहम, कप्तान स्मृति मंधाना ने बताया

भारत की नवनियुक्त कप्तान स्मृति मंधाना ने युवा खिलाड़ियों को सहयोग देने में पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर के अनुभव और नेतृत्व के महत्व पर बल दिया, क्योंकि भारतीय महिला क्रिकेट टीम उनकी कप्तानी में एक नए अध्याय की शुरुआत कर रही है। जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला, जो 16 अक्टूबर से रायपुर में शुरू हो रही है, मंधाना की कप्तानी में पहली चुनौती है। हरमनप्रीत कौर के कप्तानी छोड़ने के बाद, मंधाना घरेलू मैदान पर जिम्बाब्वे के खिलाफ आगामी टी20 अंतरराष्ट्रीय और वनडे मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगी, जिसके साथ ही स्मृति युग की शुरुआत हो रही है। जियोस्टार पर सीरीज के पहले मैच से पहले बात करते हुए, मंधाना ने टीम की कप्तानी करने की चुनौतियों और जिम्मेदारियों, ड्रेसिंग रूम में हरमनप्रीत कौर की मौजूदगी के अहम रोल, और भारत में होने वाली प्ब्ब् महिला चौंपियंस ट्रॉफी 2027 की तैयारियों के बारे में चर्चा की। मंधाना ने कहा कि उन्होंने भारत की कप्तानी की है, वह सबसे लंबे समय तक कप्तान रही हैं और एक बेहतरीन लीडर रही हैं। इसलिए मुझे यकीन है कि उनका अनुभव – खासकर अब जब टीम में कई युवा खिलाड़ी आ रही हैं – और खेल के प्रति उनका नजरिया, कई लोगों के लिए प्रेरणादायक होगा। मुझे उम्मीद है कि युवा खिलाड़ी उन्हें देखेंगी, यह देखेंगी कि वह खेल के लिए कैसे तैयारी करती हैं, और उनसे बहुत कुछ सीखेंगी। इसलिए, युवाओं के बीच उनका होना बहुत महत्वपूर्ण है, ताकि वे उनसे सीख सकें और खुद को बेहतर बना सकें; अक्सर ऐसा होता है कि किसी को देखकर आप समय से पहले ही बहुत कुछ सीखना शुरू कर देते हैं। एशियन गेम्स 2026 में मंधाना का प्रदर्शन शानदार रहा, जहां हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम इंडिया ने अपना गोल्ड मेडल बरकरार रखा। फाइनल में भारत ने श्रीलंका को 147 रनों से हराया, जिसमें मंधाना ने 45 गेंदों पर 79 रन बनाकर भारत के लिए सबसे ज्यादा स्कोर किया। टूर्नामेंट के दौरान उन्होंने दो पारियों में कुल 116 रन बनाए। इन खेलों के बाद, हरमनप्रीत ने कप्तानी छोड़ दी। मंधाना फिलहाल महिला क्रिकेट में T20I में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। उनके नाम सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय रन और शतक लगाने का रिकॉर्ड भी दर्ज है। उन्होंने 179 ज्20ष मैचों में 31.00 की औसत और 127 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 4,867 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और 37 अर्धशतक शामिल हैं। इस साल, उन्होंने 22 मैचों की 21 पारियों में 38.25 की औसत और 148. 25 के स्ट्राइक रेट से 765 रन बनाए हैं। इसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वोच्च स्कोर 124 रहा है। सभी अंतरराष्ट्रीय फॉर्मेट को मिलाकर, मंधाना ने 308 मैचों में 11,066 रन बनाए हैं। उन्होंने 18 शतक लगाए हैं, जो किसी भी बल्लेबाज द्वारा लगाए गए शतकों की संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा संख्या है; इस मामले में वह दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट के बराबर हैं। अपनी नई कप्तानी की भूमिका के बारे में बात करते हुए, मंधाना ने इसे ष्बहुत बड़ा सम्मान और जिम्मेदारीष बताया। उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं का जिक्र करते हुए कहा कि उनका ध्यान ट्रेनिंग के स्तर को बेहतर बनाने, पावर–हिटिंग, फील्डिंग, प्रोफेशनलिज्म और युवा खिलाड़ियों के लिए एक मजबूत टीम कल्चर तैयार करने पर होगा।

## वेस्टइंडीज के खिलाफ 5वें T20I के लिए टीम इंडिया में शामिल हुए भुवनेश्वर कुमार

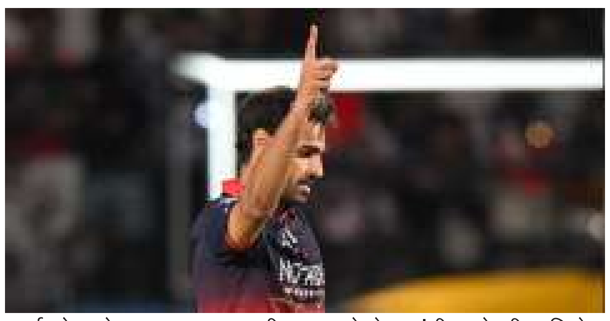

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने 16 अक्टूबर को पुष्टि की कि वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें और आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच के लिए भारतीय टीम में तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को शामिल किया गया है। सीरीज के चौथे मैच के दौरान अर्शदीप सिंह के गेंदबाजी करने वाले कंधे पर चोट लग गई थी। यह आखिरी मैच 17 अक्टूबर को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। ठब्ब् की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि हैदराबाद में बुधवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के चौथे ज्20ष मैच के दौरान, अर्शदीप सिंह के गेंदबाजी करने वाले कंधे पर चोट लग गई थी, जिसके बाद भुवनेश्वर कुमार को टीम में शामिल किया गया। आखिरी ज्20ष मैच में उनके खेलने को लेकर फैसला, मैच से पहले उनकी रिकवरी की स्थिति को देखकर लिया जाएगा। हैदराबाद में खेले गए चौथे मैच में वेस्टइंडीज ने भारत को 24 रनों से हरा दिया, जिससे पांच मैचों की यह सीरीज अब 2–2 की बराबरी पर आ गई है। भारत ने पहला मैच 172 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आठ विकेट से आसानी से जीत लिया था। हालांकि, रांची में खेले गए दूसरे ज्20ष मैच में भारतीय गेंदबाजी के सामने बड़ी चुनौती आई, जब वेस्टइंडीज ने 250 रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करते हुए 18.3 ओवर में चार विकेट खोकर 252 रन बना लिए। तीसरे मैच में भारत ने 223 रनों का बचाव करते हुए 14 रनों से जीत दर्ज की और अपनी लय वापस हासिल की। चौथे T20I मैच में, शाई होप के नाबाद शतक की मदद से वेस्टइंडीज ने तीन विकेट पर 247 रन बनाए, और भारत इस लक्ष्य से 24 रन पीछे रह गया।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें टी20 मैच के लिए भारत की अद्यतन टीम इस प्रकार हैरू श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, इशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा (उप–कप्तान), शिवम दुबे, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, नितीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, मयंक यादव, नमन धीर और भुवनेश्वर कुमार।

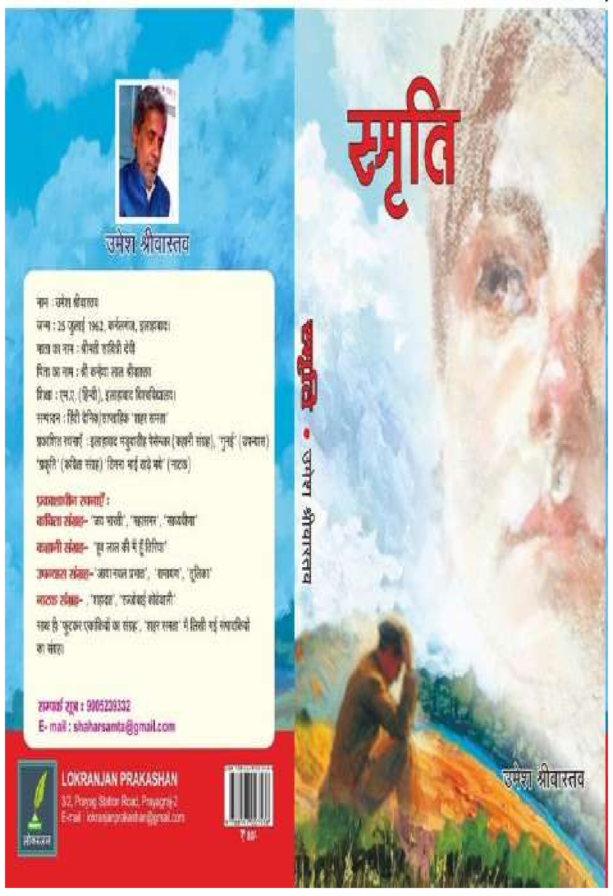


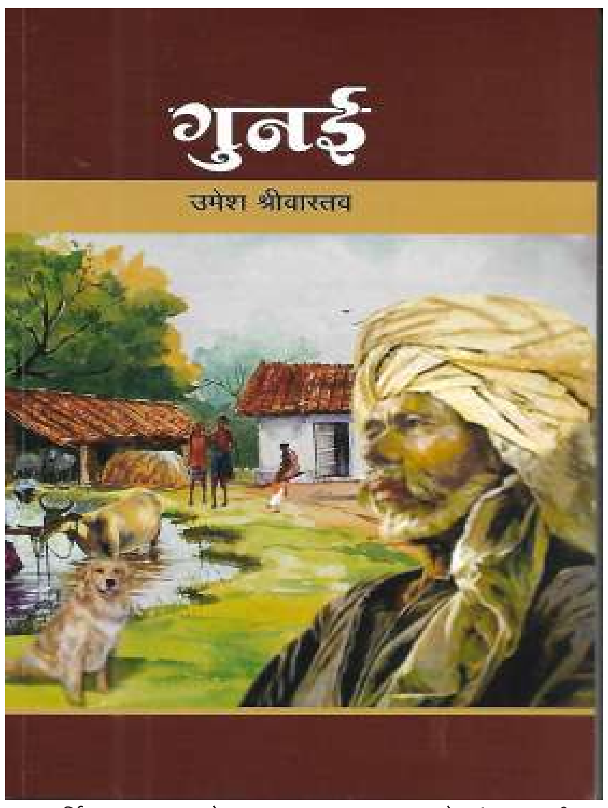


चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

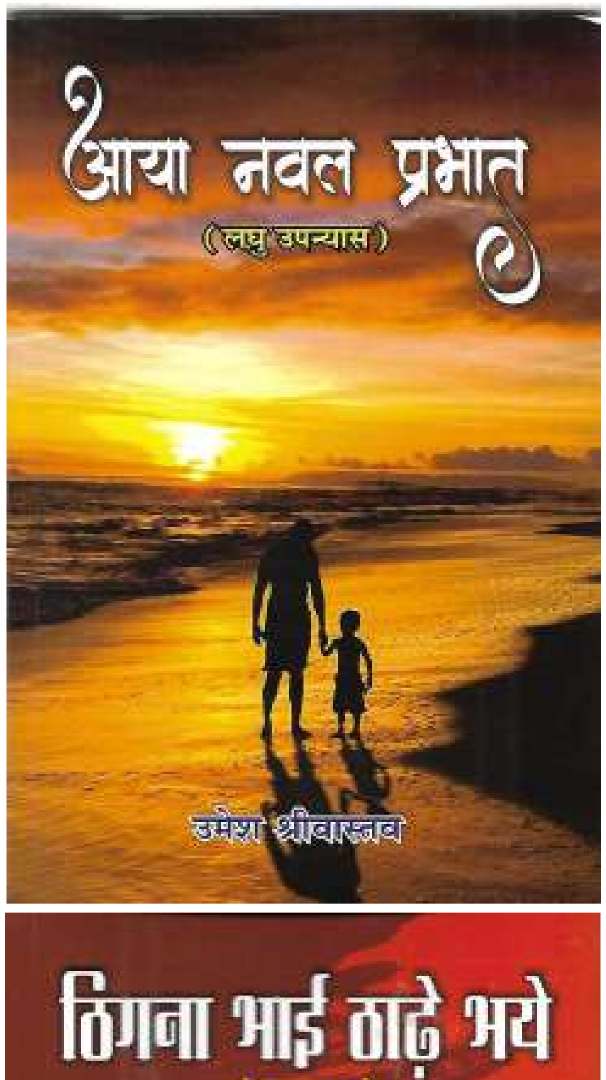


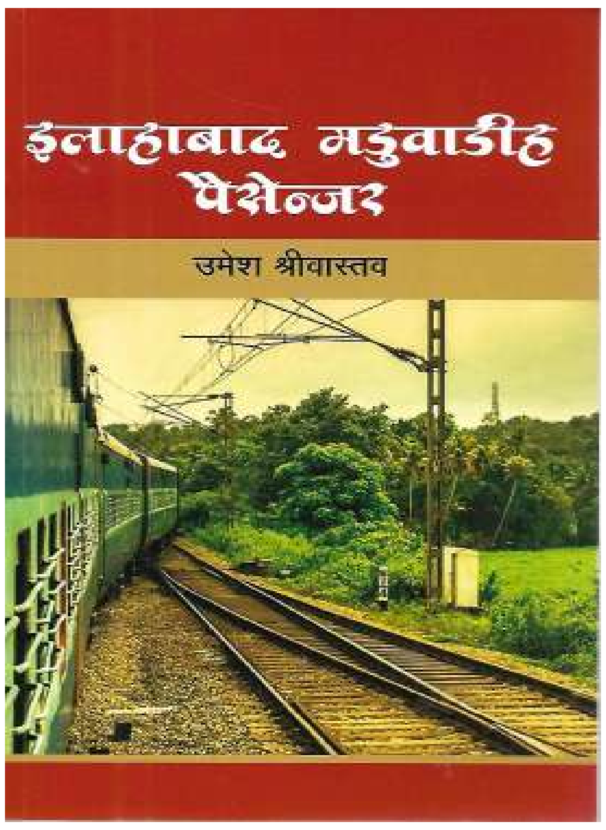


समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

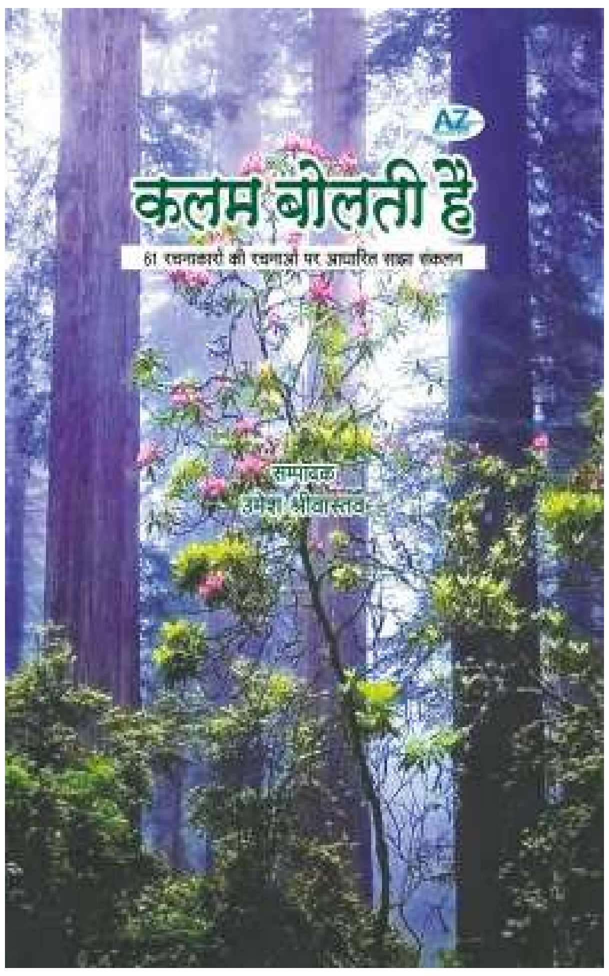


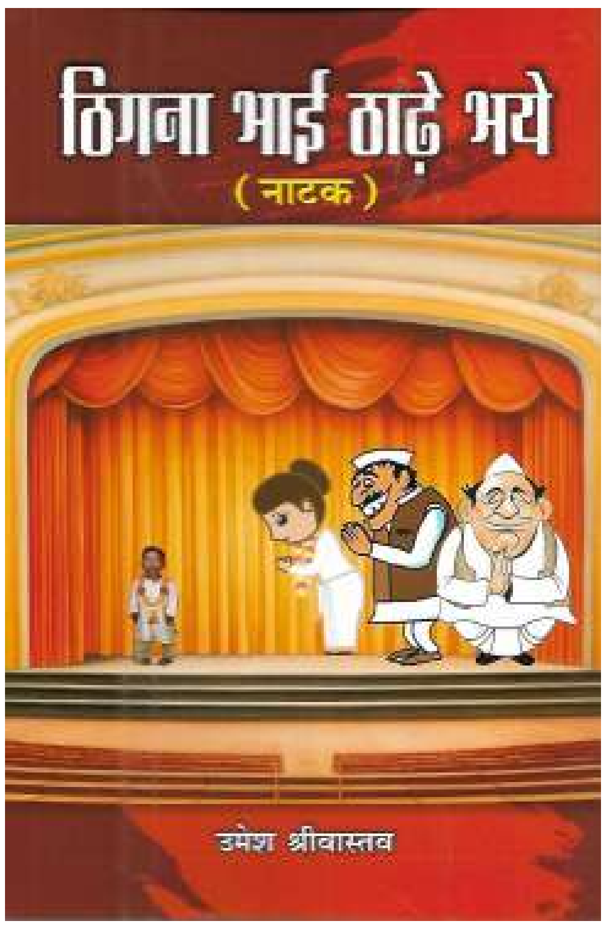


ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

# यमन के अदन में राष्ट्रपति भवन पर हूती हमले में 5 लोगों की मौत, 16 घायल

यमन के दक्षिणी शहर अदन में अल–माशीक राष्ट्रपति भवन को निशाना बनाकर किए गए एक हूथी हमले में 5 लोगों की मौत हो गई और 16 लोग घायल हो गए। यह घटना हूथी आंदोलन और सरकारी बलों के बीच बढ़ती शत्रुता के बीच हुई है। यमन के स्वास्थ्य मंत्री कासिम मोहम्मद बुहैबेह के हवाले से यह जानकारी दी गई है। गुरुवार को एक्स पर एक पोस्ट में हूती विद्रोहियों के प्रवक्ता याह्या सरी ने इस हमले की जिम्मेदारी ली। उन्होंने कहा कि अदन में सऊदी दुश्मन के युद्ध संचालन मुख्यालय पर बमबारी, सऊदी सेना की गतिविधियों को कहीं भी निशाना बनाने की हमारी घोषित नीति का हिस्सा है। इसके तहत, सऊदी दुश्मन की किसी भी सैन्य मौजूदगी को चाहे वह कहीं भी हो हमारी सेना के लिए एक वैध लक्ष्य माना जाएगा। अल जज़ीरा की रिपोर्ट के अनुसार, यमन की राष्ट्रपति नेतृत्व परिषद के अध्यक्ष रशाद अल–अलीमी ने इस हमले को यमन और सऊदी अरब में हवाई अड्डों और तेल सुविधाओं पर हुए हमलों का ही एक विस्तार बताया है। अल–अलीमी ने कहा कि उन्होंने सरकारी बलों को निर्देश दिया है कि वे ष्राज्य के संस्थानों की सुरक्षा के लिए ज़रूरी कदम उठाएं, आतंकवादी खतरों का मुकाबला करें और खतरों के स्रोतों को उचित जवाब दें। उन्होंने आगे कहा कि इस महीने की शुरुआत में शुरू किया गया डॉन ऑफ यमन (यमन का उदय) अभियान अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। इस अभियान का उद्देश्य ष्राज्य के संस्थानों को बहाल करना और पूरे राष्ट्रीय क्षेत्र में सरकारी अधिकार का विस्तार करना है, ताकि अंततः राजधानी सना तक पहुंचा जा सके। अल अरबिया के अनुसार, यमन के युवा मामलों के मंत्री नायेफ सालेह अल–बकरी ने बताया कि अदन में मौजूद सभी कैबिनेट मंत्री सुरक्षित हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस हमले के बाद भी सरकार के सदस्य शहर छोड़कर नहीं जाएंगे। इस बीच, यमनी सरकारी बलों ने दावा किया है कि ष्डॉन ऑफ यमनष अभियान के तहत पिछले 24 घंटों में उन्होंने हौथी ठिकानों पर 1,250 हमले किए हैं। सरकारी बलों के प्रवक्ता माजेद अल–नुज़ैली ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि इन अभियानों में लड़ाकू विमानों, ड्रोन, तोपखाने और रॉकेट लॉन्चरों का इस्तेमाल किया गया, जिससे हौथियों के 150 वाहन नष्ट हो गए। उन्होंने कहा कि इन हमलों से हौथियों के किलेबंदी को नष्ट करने में मदद मिली है, ष्खासकर ताइज़ मोर्चों पर। इसके अलावा, मारिब गवर्नरेट मीडिया कार्यालय ने एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि गुरुवार शाम को हूतियों ने मारिब शहर पर नौ बैलिस्टिक मिसाइलें और सात अन्य प्रोजेक्टाइल दागे। कार्यालय ने इन हमलों की निंदा करते हुए कहा कि यह ष्अंतरराष्ट्रीय कानूनों और नियमों का खुला उल्लंघन है, जो नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे पर हमले को प्रतिबंधित करते हैंष। उन्होंने चेतावनी दी कि आबादी वाले इलाकों पर लगातार मिसाइल हमले एक खतरनाक स्थिति पैदा करते हैं, जिससे नागरिकों की जान और सुरक्षा को खतरा है। साथ ही, उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय, संयुक्त राष्ट्र, और मानवीय व मानवाधिकार संगठनों से आग्रह किया कि वे नागरिकों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाएं और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराएं।

## संक्षिप्त

### अमेरिका में सरकारी धोखाधड़ी का आरोपी मनजीत सिंह बेदी भारत से प्रत्यर्पित

वाशिंगटन। अमेरिका की सरकारी योजनाओं में अनियमितताओं के सर्वाधिक वांछित आरोपियों में शामिल एक व्यक्ति को भारत से प्रत्यर्पित किया गया है। अमेरिकी न्याय विभाग ने यह जानकारी दी। अमेरिका के कार्यवाहक अटॉर्नी चार्ल्स नील फ्लॉयड ने बताया कि पिछले महीने भारत में गिरफ्तार किए गए मनजीत सिंह बेदी को बुधवार रात अमेरिका वापस लाया गया। बेदी को शुक्रवार को वाशिंगटन की 'वेस्टर्न डिस्ट्रिक कोर्ट' में पेश किया जाएगा। एफबीआई के निदेशक काश पटेल ने कहा, "मनजीत सिंह बेदी की गिरफ्तारी और उसे वापस लाया जाना एफबीआई के ऐतिहासिक 'मोस्ट वांटेड फ्रॉडस्टर्स' कार्यक्रम की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है।" पटेल ने कहा, "बेदी को वापस लाने में मदद करने के लिए एफबीआई सिएटल के साथ–साथ अमेरिका और भारत में हमारे कुशल कानून प्रवर्तन सहयोगियों का धन्यवाद।" नील फ्लॉयड ने कहा कि एफबीआई मुकदमे की सुनवाई तक बेदी को हिरासत में रखने का अदालत से अनुरोध करेगा, क्योंकि वह देश से फरार हो गया था। बेदी की वाशिंगटन के टैकोमा शहर में 'एशियन ग्रोसरी स्टोर' नाम से किराने की एक छोटी दुकान थी। आरोप है कि वह पूरक पोषण सहायता कार्यक्रम (एसएनएपी) के लाभार्थियों को उनके इलेक्ट्रॉनिक बेनिफिट ट्रांसफर (ईबीटी) कार्ड के जरिये खाद्य पदार्थ बेचता था। धोखाधड़ी और एसएनएपी लाभों में धोखाधड़ी के आरोपों में अभियोग दायर होने के बाद बेदी को बिना गिरफ्तारी के अदालत में पेश होने की अनुमति दी गई थी। उसे अपना पासपोर्ट जमा कराने और वाशिंगटन में ही रहने का आदेश दिया गया था। एफबीआई के अनुसार अदालत के आदेश के बाद बेदी जल्द ही गाड़ी से सीमा पार कर कनाडा पहुंचा और फिर भारत फरार हो गया। एफबीआई के सिएटल कार्यालय के प्रभारी विशेष एजेंट डब्ल्यू. माइक हेरिंगटन ने कहा, ''एफबीआई की सिएटल इकाई के जांचकर्ताओं और अंतरराष्ट्रीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के हमारे सहयोगियों की कड़ी मेहनत तथा आरोपी के ठिकाने के बारे में आम लोगों से मिली जानकारी की मदद से बेदी को अमेरिका वापस लाया जा सका है। अब उसे टैकोमा की अदालत में मुकदमे का सामना करना होगा।'' पटेल ने कहा कि बेदी पर 2024 से 2025 के बीच एसएनएपी के तहत अमेरिका सरकार से कम से कम छह लाख अमेरिकी डॉलर की धोखाधड़ी करने का आरोप है और अब उसे अपने कथित अपराधों के लिए न्याय का सामना करना होगा।

### यूएस के विस्कॉन्सिन में छोटा प्लेन क्रैश, मां–बेटे समेत 6 लोगों की मौत

अमेरिका के विस्कॉन्सिन में एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से 13 वर्षीय लड़के और उसकी मां समेत छह लोगों की मौत हो गई। हादसे से कुछ समय पहले पायलट ने आंधी–तूफान के दौरान विमान के पंखों पर बर्फ जमने की सूचना दी थी। सॉक काउंटी के शेरिफ कार्यालय ने बृहस्पतिवार को मृतकों की पहचान की। इनमें विस्कॉन्सिन की अल्टूना निवासी 45 वर्षीय अमांडा हरेम्जा और उनका 13 वर्षीय बेटा रायलन हरेम्जा शामिल हैं। अन्य मृतकों में कैडॉट के टायलर हार्वी (36), नेल्सन की मैरी ब्रायन (67), ओ क्लेयर की कायला टर्पिन (39) और वुडविल निवासी अनुभवी पायलट एवं कारोबारी रॉन रीक शामिल हैं। सभी विस्कॉन्सिन के निवासी थे। विमान रीक का ही था। मेनोमोनी हवाई अड्डा आयोग के अध्यक्ष डेनियल जॉनसन ने कहा कि उनका मानना है कि विमान में सवार सभी लोग दोस्त थे। हालांकि, उन्हें यह नहीं पता कि वे केनोशा क्यों गए थे और वहां से मेनोमोनी क्यों लौट रहे थे।

### इलिनॉय में मंदिर पर गोलीबारी की साजिश नाकाम, राजा कृष्णमूति समेत अमेरिकी सांसदों ने की निंदा

न्यूयॉर्क। अमेरिकी सांसदों, नेताओं और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों ने इलिनॉय राज्य में एक मंदिर पर हमले की कथित साजिश की कड़ी निंदा की है और अमेरिका में बढ़ते भारत–विरोधी एवं हिंदू–विरोधी पूर्वाग्रहों से निपटने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। अधिकारियों के अनुसार, ऑरोरा क्षेत्र स्थित एक मंदिर में बड़े पैमाने पर गोलीबारी करने की कोशिश के आरोप में पैलेटाइन निवासी 19 वर्षीय एलेक्जेंड्रोस पापोरकिस को 11 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया था। मंदिर के बाहर उसकी राइफल जाम होने के कारण हमला नाकाम हो गया, जिसके बाद वह अपने घर लौट गया। अमेरिकी सांसदों ने कहा कि देश में कट्टरपंथी सोच के लिए कोई जगह नहीं है।

इलिनॉय से भारतीय–अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा कि जब आरोपी ने हमले की कोशिश की, उस समय वह और उनका परिवार मंदिर में ही मौजूद थे। कृष्णमूर्ति ने एक बयान में कहा, ''मैं इस बात से स्तब्ध हूं कि नस्लीय सोच में विश्वास रखने वाले एक व्यक्ति ने ऑरोरा स्थित उस मंदिर में भारतीय मूल के अमेरिकियों को निशाना बनाकर बड़े पैमाने पर गोलीबारी करने की कोशिश की, जहां मेरा परिवार पूजा करने जाता है। पिछले रविवार को जब हमले की कोशिश की गई, तब मैं और मेरा परिवार वहां मौजूद थे।'' उन्होंने कहा कि इस तरह की हिंसा का खतरा दर्शाता है कि भारत के खिलाफ घृणा और नस्लीय सोच कितनी खतरनाक हो गई है। उन्होंने कहा, ''इन धमकियों को गंभीरता से लेने के लिए हमें निर्दोष लोगों के मारे जाने का इंतजार नहीं करना चाहिए।''

# ज्तनउच ईरान पर गिराएंगे मदर ऑफ ऑल बम, खुल गया बड़ा सीक्रेट

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के साथ चल रहे तनाव के बीच, ईरान के खिलाफ परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की संभावना को खारिज कर दिया। उन्होंने अमेरिकी जमीनी सैनिकों को तैनात करने में भी कोई खास दिलचस्पी नहीं दिखाई। हालांकि, अमेरिकी सेना ईरान के ऊर्जा बुनियादी ढांचे और परमाणु सुविधाओं के खिलाफ नए हमले के विकल्प तैयार कर रही है, जिसमें श्मदर ऑफ ऑल बॉम्बसश (सभी बमों की जननी) का इस्तेमाल भी शामिल हो सकता है। न्यूज़मैक्स के साथ एक साक्षात्कार में, ट्रम्प ने स्पष्ट किया कि जिस हथियार की चर्चा हो रही है, वह परमाणु हथियार नहीं है। उन्होंने कहा कि तेहरान के खिलाफ अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए वाशिंगटन को परमाणु हथियारों का सहारा लेने की कोई जरूरत नहीं है। ट्रम्प ने कहा कि देखिए, मदर ऑफ ऑल बॉम्ब्स परमाणु हथियार नहीं है। यह बिल्कुल भी परमाणु हथियार नहीं है। यह बस एक बहुत बड़ा बम है। यह एक छोटे परमाणु बम की तरह है, लेकिन श्मदर ऑफ ऑल बॉम्बसश एक बहुत बड़ा बम है। फिर भी, यह परमाणु नहीं है। नहीं, मैं परमाणु हथियारों का इस्तेमाल नहीं करूंगा। हमें ऐसा करने की कोई जरूरत नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह ईरान में अमेरिकी सैनिकों को तैनात करने पर विचार करेंगे, तो राष्ट्रपति ने जवाब दिया, मुझे ऐसा नहीं लगता। बिल्कुल नहीं। ट्रम्प की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिकी सेना ईरान के खिलाफ हमले के अतिरिक्त विकल्पों की तैयारी कर रही है। इनमें ऊर्जा बुनियादी ढांचे और परमाणु सुविधाओं पर संभावित हमले शामिल हैं। यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब संघर्ष की दिशा और बातचीत के जरिए समाधान निकलने की संभावनाओं को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। ब्छछ ने सैन्य योजना से जुड़े अधिकारियों के हवाले से बताया कि ट्रम्प ने सेना को हमले के और विकल्प तैयार करने का निर्देश दिया है। इनमें GBU-43/B मैसिव ऑर्डनेंस एयर ब्लास्ट का इस्तेमाल भी शामिल हो सकता है, खासकर ईरान के ऊर्जा बुनियादी ढांचे और शपिकएक्स माउंटेनश जैसी परमाणु साइटों के खिलाफ। योजना से जुड़े एक सूत्र ने ब्छछ को बताया कि इन विकल्पों में ष्कई ऊर्जा बुनियादी ढांचेष शामिल हैं। वहीं, एक अन्य सूत्र ने कहा कि ईरान की परमाणु सुविधाओं (जिसमें पिकएक्स माउंटेन भी शामिल है) पर हमले की योजनाओं में स्पष्ट रूप से डव्।ठ के संभावित इस्तेमाल की बात कही गई है। CNN की रिपोर्ट के मुताबिक, अगर ट्रम्प नवंबर के मध्यावधि चुनावों से पहले या बाद में फिर से सैन्य कार्रवाई शुरू करने का फैसला करते हैं, तो इन विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। ट्रम्प ने अमेरिकी परमाणु हथियारों और रूस तथा चीन के साथ परमाणु निरस्त्रीकरण पर चल रही बातचीत के बारे में भी बात की।

### अंतरिक्ष से धरती पर रोशनी भेजेगी रिफ्लेक्ट ऑर्बिटल, Skyroot के विक्रम रॉकेट करेंगे उपग्रह प्रक्षेपित

वाशिंगटन। जरा सोचिए, क्या रात के घने अंधेरे में भी धरती के किसी खास हिस्से को सूरज की रोशनी से जगमगाया जा सकता है? एक अमेरिकी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कंपनी इस कल्पना को हकीकत में बदलने की तैयारी कर रही है और वह भी भारतीय कंपनी की मदद से। कैलिफोर्निया स्थित स्टार्ट–अप 'रिफ्लेक्ट ऑर्बिटल' ने अंतरिक्ष में विशाल दर्पण स्थापित कर पृथ्वी पर मांग के अनुरूप 'धूप' बेचने की अनोखी योजना बनाई है। इस महत्वाकांक्षी मिशन के लिए कंपनी ने भारत की निजी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कंपनी 'स्काईरूट एयरोस्पेस' की प्रक्षेपण सेवाएं लेने

को लेकर समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। 'रिफ्लेक्ट ऑर्बिटल' कंपनी उपग्रहों का एक ऐसा समूह तैयार कर रही है, जो रात के समय आपदा प्रभावित क्षेत्रों में खोज और बचाव कार्यों के लिए तत्काल रोशनी मुहैया करा सकेगा। इससे सौर ऊर्जा संयंत्रों में बिजली उत्पादन की अवधि भी बढ़ाई जा सकेगी। कंपनी ने अपने दो उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजने के लिए हैदराबाद स्थित 'स्काईरूट एयरोस्पेस' के साथ अनुबंध किया है। इन उपग्रहों को स्काईरूट के 'विक्रम' रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया जाएगा। 'रिफ्लेक्ट ऑर्बिटल' ने एक बयान में कहा, ''अमेरिका में तय हमारे अन्य प्रक्षेपण अभियानों के साथ–साथ इन दो प्रक्षेपण से हमें एक निश्चित समयसीमा और अतिरिक्त क्षमता मिलेगी।'' 'स्काईरूट एयरोस्पेस' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पवन चंदना ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''पृथ्वी पर नयी संभावनाओं के द्वार खोलने के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का बेहद अनूठे तरीके से इस्तेमाल कर रही कंपनी 'रिफ्लेक्ट ऑर्बिटल' के साथ साझेदारी करके हम बहुत उत्साहित हैं। स्काईरूट के रॉकेट के जरिए मांग के अनुरूप धूप उपलब्ध कराने के उनके सपने को साकार करने का हमें इंतजार है।'' इससे पहले जुलाई में कंपनी को अमेरिकी संघीय संचार आयोग (एफसीसी) से एक प्रोटोटाइप उपग्रह (शुरुआती नमूना उपग्रह, जिसे किसी नयी प्रौद्योगिकी का परीक्षण करने के लिए बनाया जाता है) बनाने, उसे अंतरिक्ष में भेजने और संचालित करने की मंजूरी मिली थी। इस स्टार्ट–अप का लक्ष्य पृथ्वी पर पांच किलोमीटर क्षेत्र में जरूरत के अनुसार सूरज की रोशनी पहुंचाना है। इस रोशनी की चमक को कम या ज्यादा किया जा सकेगा और जरूरत न होने पर इसे बंद भी किया जा सकेगा। कंपनी के मुताबिक, मांग के अनुरूप मिलने वाली इस 'धूप' के कई फायदे होंगे। इससे दूरदराज के औद्योगिक क्षेत्रों में देर तक काम किया जा सकेगा, महत्वपूर्ण स्थलों को रोशन कर रक्षा अभियानों में मदद मिलेगी और सार्वजनिक आयोजनों को और आकर्षक बनाया जा सकेगा।

# चीन ने सौंपी हूतियों को खैबर मिसाइल, सऊदी–इजरायल में बजा तबाही का सायरन!

मिडिल ईस्ट में पहले से ही बारूद की गंध फैली हुई है, लेकिन अब इस संकट की आंच सऊदी अरब और चीन के रिश्तों तक पहुंचती दिखाई दे रही है। जिस चीन ने सऊदी अरब और ईरान के बीच दोस्ती का रास्ता खोलने में अहम भूमिका निभाई थी, अब उसी चीन की निष्पक्षता पर सवाल उठने लगे हैं। सऊदी अरब की नाराजगी इतनी बढ़ चुकी है कि उसके पूर्व खुफिया प्रमुख ने बीजिंग को साफ संदेश दे दिया है कि अगर चीन खुद

को निष्पक्ष मध्यस्थ मानता है, तो उसे अपने काम से यह साबित करना होगा। मामला सिर्फ कूटनीतिक बयानबाजी का नहीं है। इसके पीछे हूती विद्रोहियों के हमले, लाल सागर में बढ़ता खतरा और उनकी इन मिसाइलों में कथित चीनी पुर्जों के इस्तेमाल से जुड़े दावे हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या सऊदी अरब अब चीन से जवाब मांग रहा है? दरअसल, सऊदी अरब के पूर्व खुफिया प्रमुख और किंग फैसल सेंटर ऑफ रिसर्च एंड इस्लामिक स्टडीज के चेयरमैन प्रिंस तुर्की अल–फैसल ने चीन की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि चीन को कुछ ऐसा करके दिखाना होगा जिससे साबित हो सके कि वह सऊदी अरब और ईरान के बीच निष्पक्ष मध्यस्थ है। गौर करने वाली बात यह है कि मार्च 2023 में चीन की मध्यस्थता से सऊदी अरब और ईरान ने अपने राजनयिक संबंध बहाल करने पर सहमति जताई थी। उस वक्त इसे मिडिल ईस्ट में तनाव कम करने की दिशा में बड़ी कामयाबी माना गया था, लेकिन अब सऊदी अरब चाहता है कि इस समझौते का असर जमीन पर भी दिखाई दे। रियाद की उम्मीद है कि चीन ईरान पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके हूती विद्रोहियों के हमलों को रोकने में मदद करे। सऊदी अरब की चिंता की बड़ी वजह यमन में सक्रिय हूती विद्रोही हैं, जिन्हें ईरान का समर्थन प्राप्त है। सऊदी अधिकारियों को आशंका है कि लगातार हमलों से देश के अहम बुनियादी ढांचे और ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा लाल सागर और बाब अल–मंदेब जलडमरूमध्य में अस्थिरता बढ़ने से अंतरराष्ट्रीय व्यापार और तेल परिवहन पर भी असर पड़ सकता है। इसी बीच हूती विद्रोहियों की मिसाइलों में चीनी तकनीक और पुर्जों के इस्तेमाल को लेकर भी दावे सामने आए हैं। इन रिपोर्टों ने सऊदी अरब की चिंताओं को और बढ़ाया है। हालांकि, चीनी पुर्जों के कथित इस्तेमाल से यह साबित नहीं होता कि चीन की सरकार सीधे हूतियों को हथियार दे रही है; इसके लिए ठोस सबूत और स्वतंत्र पुष्टि जरूरी है। दूसरी तरफ चीन ने सऊदी अरब के बुनियादी ढांचे पर हूती हमलों की निंदा की है और सभी पक्षों से तनाव बढ़ाने वाली कार्रवाई से बचने की अपील भी की है। लेकिन सऊदी अरब अब सिर्फ बयान नहीं बल्कि ठोस कदम चाहता है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या चीन ईरान पर दबाव डालकर हूती हमलों को रोकने में मदद करेगा या फिर इस मुद्दे पर दोनों देशों के बीच तल्खी और बढ़ेगी। फिलहाल प्रिंस तुर्की अल–फैसल के बयान ने साफ कर दिया है कि सऊदी अरब अब चीन की मध्यस्थता को उसके नतीजों के आधार पर परखना चाहता है। दूसरी ओर, चप्पल और लुंगी में रहने वाले यमन के हूती लड़ाकों ने आसमान में वो सनसनीखेज कारनामा कर दिखाया जिसने पेंटागन से लेकर रियाद तक तमाम रक्षा एक्सपर्टों के होश उड़ाकर रख दिए हैं। यमन के सादा गवर्नरेट के आसमान में सऊदी अरब का मल्टी–मिलियन डॉलर का अत्याधुनिक टाइफून फाइटर जेट यमन की सीमा पर हमले कर रहा था, तभी यमन की सरजमीं से उठे एक बारूदी शोले ने उस सुपरसोनिक लड़ाकू विमान के चीथड़े उड़ा दिए। 15 अक्टूबर 2026 की इस खौफनाक वारदात का वीडियो फुटेज सामने आते ही पूरी दुनिया में सन्नाटा छा चुका है। सवाल उठने लगे कि क्या कबीलों में रहने वाले अंसारुल्लाह के ये लड़ाके आज इतने एडवांस्ड हो चुके हैं? सऊदी अरब का जो टाइफून फाइटर जेट अपने स्टील्थ और एयर डिफेंस डॉज करने की तकनीक पर इतना इतराया करता था, वह सादा के आसमान में आग का गोला बनकर सीधे क्रैश होने की कगार पर आ पहुंचा। हूतियों की तरफ से बकायदा इसका एक वीडियो भी जारी किया गया है जो रडार पर साफ तौर पर देखा जा सकता है। सबसे हैरान और चौंकाने वाली बात यह है कि हूतियों ने अरबों रुपये के इस पश्चिमी फाइटर जेट को गिराने के लिए किसी अमेरिकी या रूसी मिसाइल का नहीं, बल्कि यमन में खुद निर्मित सरफेस–टू–एयर मिसाइल का इस्तेमाल किया है। एक्सपर्ट और

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।